सुविचार

आपके पास दो ही विकल्प होते हैं या तो विजय पा लो या फिर डर को अपने ऊपर हावी होने दो।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक :- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक 52 | भोपाल, शुक्रवार 04 जून 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

मुझे आसमान तक जाना है

कवियित्री
वैशाली नारनवरे

रखू इरादे मजबूत , मंजिल तक जाना है।
हौसला है बुलंद, मुझे आसमान तक उड़ना है।।
करू कोशिशें , खुद को झोंक दू।
है कोई रास्ते में खड़ा ,उसे हटा दू।
ना तोड़ू मै अपना साहस
राह मुझे अपनी बनाना है।
हौसला है बुलंद ,मुझे आसमान तक जाना है।।

छोड़ दू कैसे धैर्य,सपना मुझे पूरा करना है।
टक-टकी लगाकर मुझे, रात दिन मेहनत करना है। पंख उड़ते रहे मेरे ,
मुझे आसमान तक जाना है।।
करती रहूं कोशिशें ,मुझे हिम्मत नहीं हारना है।
होंगे रास्ते में कांटे हजार ,मुझे पंख बन उड़ना है।।

ना तोड़ू मै अपना साहस ,मुझे लक्ष्य पर ध्यान देना है।
हौसला है बुलंद, मुझे आसमान तक जाना है।।
हौसला है बुलंद मेरा, मुझे आसमान तक जाना है।
पंख फैलाकर ,मुझे गगन की सैर करना है।।
हिम्मत नहीं हारना मुझे चुनौतियों
का सामना करना है।

धैर्य बनाकर चलू आसमान को छूना है।
कांटा चूब जाए पैरो में मुझे चलते रहना है।
करती रहूं कोशिशें ,मुझे हर हाल में जीतना है।
हौसला है बुलंद मुझे आसमान तक जाना है।।

क्या पाया

कवियित्री
अन्नपूर्णा भारती

कैसा क्यों यह वक्त आया
क्या है जो हम सब ने
पाया
दो गज की दूरी और
मास्क है अपनाया।

कहीं बिलखती संताने थी
तो कहीं उदास निगाहें
कहीं कुछ बूंदें कान हो
पर शव थे
तो कहीं सीखते स्वर्ग थे
कैसा क्यों ये वक्त है आया
क्या है जो हम सबने पाया।

कुछ घरों में बैर हुआ तो
कुछ देशों में द्वंद
कौन जाने यह कोरोना लाया कैसी नई जंग
कहीं टूट रहे थे रिश्ते बढ़ती दूरी के संग
तो कहीं सिमट रहा था जीवन सीमित रोटी के संग
कहीं सियासत भी गरमा आई थी रच रही थी ढोंग
कहीं मानवता नग्न तो कहीं हो रही थी मोन
सांसो को पाने को लेकर लगी थी ऐसी होंड।
रक्षक ही बन बैठे भक्षक यह आया कैसा मोड़
न जाने कैसा यह वक्त है आया क्या है जो हम
सब ने पाया।

कहीं सुहाग खोया
तो कहीं खो गया प्यार
किसी से आंचल छूटा तो
लुट गया संसार
कैसा क्यों यह वक्त है आया
क्या है जो हम सब ने पाया।

हिन्दू परिवारों में हो रहे तलाक को लेकर डॉ. बीआर भालसे के द्वारा लिखी गई पुस्तक

गोकुल महोबे

बैतूल। एक छोटे से गाँव बिजगोहन में छोटे से गरीब किसान का बेटा बिरजू भालसे ने पीएचडी कर डॉक्टर की उपाधि ली गई। उनके द्वारा किया गया शोध कार्य किया गया जो आज एक पुस्तक का रूप ले चुका है द्य उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव बिजगोहन में हुई एवं बीए, एमएसडब्ल्यू,एमए, एमफिल सनावद (डॉ भीमराव अंबेडकर विश्विद्यालय महू से एम फिल)कर पीएचडी महात्मा गांधी ग्रामोदय चित्रकूट विश्वविद्यालय सतना से समाज कार्य मे विषय मे पीएचडी की उपाधि प्राप्त की गई है।

पुस्तक का शीर्षक का नाम हिन्दू परिवारों में तलाक के कारण एवं उपचार में परिवार परामर्श केंद्र की भूमिका का अध्ययन है डॉ. बीआर भालसे द्वारा बताया कि हिन्दू परिवार में दहेज प्रथा, शराब के कारण लड़ाई झगड़े,शक की भावना,लिंक की भावना,पति के बेरोजगार होने के कारण पत्नी को भी नोकरी नही करने देना,अवैध संबंध, बांझपन आदि के कारण हिन्दू

परिवारों में तलाक होते हैं इनके समाधान के लिए परिवार परामर्श केंद्रों का आयोजन किया गया है जिससे परिवारों में सुलह हो रहे हैं द्य इस शोध के माध्यम से पाया गया कि तलाक (विवाह विच्छेद) की स्थिति शिक्षित वर्ग के लोगो मे अधिक पाई गई है जो कि शादी से पहले महिलाओं को कहा जाता है कि आप भी करना शादी के बाद परन्तु जैसे ही शादी होती है,पति द्वारा व्यवहार ही परिवर्तन हो जाता है और महिलाओं को घर से बाहर निकलने की आजादी भी छीन ली जाती है,जो महिलाएं पड़ी लिखी है।

उनके भी कुछ सपने है जो उन्होंने देखे है उनके परिवार ने देखे है जिन्हें वो पूरा करना चाहती है जो पति एवं ससुराल के लोगों के द्वारा उनको बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए परिवार परामर्श केन्द्रों की स्थापना की गई है परिवार परामर्श केंद्रों के माध्यम विभिन्न परिवारों में समझौते हुए हैं समाज मे एक नई दिशा का उदय हुआ है जो आज परिवार हसी खुशी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इस पुस्तक से लोगो ने प्रेरणा ली कि तलाक न हो सके जिसके कारण स्वयं ओर समाज को जागरूक कर है। शोध कार्य मे सहभागिता शोध निर्देशक डॉ. अजय आर चौरे व सह शोध निर्देशक डॉ. शोभा सुद्रास मेडम जी रहे हैं।

नव विवाहिता की प्रसव के दौरान हुई मौत

रामेश्वर नरवरिया

उदयपुरा/बिजन्हाई। प्रसव पीड़ा से नव विवाहिता की रास्ते में हुई मौत थाना उदयपुरा के अंतर्गत ग्राम बिजन्हाई में एक नव विवाहिता की प्रसव के दौरान मौत का मामला आया हैं। प्रात जानकारी के अनुसार मृतक फूलबति बाई का विवाह एक वर्ष पूर्व ग्राम बिजन्हाई के अंजु अहिरवार के से हुआ था सोमवार दिन सुबह फूलवती अहिरवार के पेट में तेज दर्द उठने लगा परिवार के लोग उसे समूदायिक अस्पताल उदयपुरा लेकर गये वहां से उसे रायसेन रैफर कर दिया गया लेकिन प्रसव पीड़ा से उसकी रास्ते में ही मौत हो गई । वही मृतक के भाई हल्के भैया ने आरोप लगाया की उसकी बहन का ससुराल वालों ने उसका सही से इलाज नहीं कराया द्य महिला का मायका तहसील बरेली के ग्राम महेश्वर में था । मृतक महिला की माँ का कहना है की ससुराल वालो ने उस का इलाज कराने में बहुत लापरवाही कर रहे थे। दो दिन पूर्व उसे सुसराल बिझनई लेने पहुँचे थे। जहां फूलवती के पति ने एक लाख रुपए की माँग की और कहा की एक लाख रुपए देने के बाद ही मायके पहुँचाने की बात कही मृतक के परिजन तत्कालीन कार्रवाही की माँग को लेकर पीएम न कराने की जिद पे अड़े रहे परंतु समाजसेवीयो की समझाईश के बाद शव पीएम कराया गया वही पुलिस विभाग इस मामले की जाँच कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट पार्क में सप्तपर्णी का पौधा लगाया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट पार्क में सप्तपर्णी का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के पालन में प्रतिदिन एक पौधा लगाते हैं। सप्तपर्णी एक सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है। यह घावों को ठीक करने, पीलिया, मलेरिया और दुर्बलता दूर करने में उपयोगी है।

कोरोना काल मे इन्हें द रियल हिरो पुरस्कार से भोपाल के रविंद्र भवन में सम्मानित किया गया

गंगाधर मालवीय भोपाल

ओबेदुल्लागंज। ब्लॉक ओबेदुल्लागंज के 108 स्टाफ ईएमटी सुरेश अहिरवार ओर पायलेट तुलसीराम कुशवाह ने कोरोना काल मे सराहनीय कार्य किया ओर निरंतर कर रहे हैं। कोरोना पोजिटिव पेशेंट के बीच मे रहते हैं तो खुद के संक्रमित होने का खतरा बना रहता हैं जिसके चलते ये लोग अपने परिवार से दूर रह कर सेवा मे लगे हैं, इन्हें डर रहता हैं कि घर गये तो परिवार वाले संक्रमित न हो इस लिए परिवार से दूर रहकर दिनरात समाज.सेवा मे लगे हैं जिसके चलते पिछले कोरोना काल मे इन्हें द रियल हिरो पुरस्कार से भोपाल के रविंद्र भवन में सम्मानित भी किया गया।

प्रदेश में 150 शावकः टाइगर स्टेट का रुतबा कायम रहने की बढ़ी आस

पिछले साढ़े चार महीने में देश में सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश में 22 बाघों की मौत के बाद सवाल उठ रहा था कि प्रदेश टाइगर स्टेट का रुतबा कायम रख पाएगा

भोपाल। पिछले साढ़े चार महीने में देश में सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश में 22 बाघों की मौत के बाद सवाल उठ रहा था कि प्रदेश टाइगर स्टेट का रुतबा कायम रख पाएगा? इसका भी जवाब प्रदेश के जंगलों ने दे दिया है। अकेले संरक्षित क्षेत्रों में 150 से ज्यादा बाघ शावक देखे गए हैं, इनकी उम्र एक साल से भी कम है। जबकि एक से दो साल के शावकों की संख्या 50 से ज्यादा बताई जा रही है। यदि एक साल से कम उम्र के शावक जीवित रहने में सफल रहते हैं, तो अगले साल होने वाले पांचवें राष्ट्रीय बाघ आकलन में प्रदेश में 700 के आसपास बाघ गिने जाएंगे। वर्ष 2018 में कराई गई गिनती में भी प्रदेश से ऐसा ही अप्रत्याशित आंकड़ा सामने आया था। तब 218 बाघ बढ़े थे। भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून की देखरेख में हर चार साल में देशभर में बाघों की गिनती होती है। यह सिलसिला वर्ष 2006 से शुरू हुआ है और वर्ष 2022 में पांचवीं गणना होना है। इससे पहले संरक्षित क्षेत्रों में दो साल से शावक और वयस्क बाघों की गिनती की जा रही है। दो दिन पहले बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने एक साल से कम उम्र के शावकों की गिनती पूरी की है। पार्क में 40 शावक पाए गए हैं। जबकि कान्हा टाइगर रिजर्व में 30 शावकों की उपस्थिति का पता चल रहा है। हालांकि कान्हा सहित दूसरे संरक्षित क्षेत्रों में गिनती अभी जारी है, लेकिन प्रारंभिक आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश अगले साल टाइगर स्टेट का रुतबा बरकरार रखने के लिए तैयार है और इस बार भी 200 से ज्यादा बाघ बढ़ेंगे।

साढ़े 16 महीने में 52 बाघ मरे

जनवरी 2020 से 15 मई 2021 तक के आंकड़े देखें, तो प्रदेश में 52 बाघों की मौत हुई है। इनमें से 30 बाघ वर्ष 2020 में मरे थे, पर इस अवधि में सिर्फ संरक्षित क्षेत्रों में 200 से ज्यादा बाघ पैदा हुए हैं। यदि 63 सामान्य वनमंडल में पैदा हुए शावकों की संख्या भी जोड़ी जाए, तो आंकड़ा 350 से ऊपर जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि 50 फीसद बाघों के जीवित रहने की उम्मीद रहती है, बशर्ते शावक मां से न बिछुड़े और नर बाघ से उसका सामना न हो। प्रदेश में छह टाइगर रिजर्व, पांच नेशनल पार्क और 24 अभयारण्य हैं। वर्ष 2018 के बाघ आकलन में प्रदेश दो बाघों से विजेता घोषित हुआ था। मध्य प्रदेश में 526 बाघ गिने गए थे, जबकि बाघों की संख्या के मामले में देश में दूसरे नंबर पर रहने वाले कर्नाटक में 524 बाघ पाए गए थे।

आप सभी के धैर्य, लगन, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पण के समक्ष नतमस्तक हूँ -स्वास्थ्य मंत्री

हम होंगे कामयाब एक दिन गीत गाकर किया गया उत्साहवर्धन

रायसेन। कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों में प्रदेश के चिकित्सकों, स्वास्थ्य-कर्मियों और फ्रंट लाईन वर्करों ने जनता की सेवा की है। उनके मोटिवेशन के लिए आज प्रदेश-स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं आप सभी के धैर्य, लगन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के समक्ष नतमस्तक हूँ और गौरव का अनुभव कर रहा हूँ।

उन्होंने कहा कि पिछले लगभग डेढ़ वर्ष से कोरोना वैश्विक महामारी से हमारा प्रदेश और देश ही नहीं बल्कि दुनिया का लगभग हर देश पीड़ित है। कोरोना महामारी की एक के बाद दूसरी लहर के आ जाने से हम सभी के समक्ष चुनौनियाँ बढ़ गई थी। आप लोगों के सहयोग से हम सभी ने पूरी दृढ़ता से इस संक्रमण का मुकाबला किया है। वर्चुअल कार्यक्रम में मंत्री डॉ. चौधरी ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ÷हम होंगे कामयाब एक दिन÷ गीत गाकर उत्साहवर्धन किया। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि कोई भी युद्ध जब लम्बा खिंच जाता है तो ऐसे में सैनिकों का उच्च मनोबल ही विजय का आश्वासन साबित होता है। इसी प्रकार आप सभी ने अपनी और अपने परिवारों की चिंता किये बगैर इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बाद भी लोकहित में जो अमूल्य सेवायें दी है, उसके लिए मानवता सदैव आपकी ऋणी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह समय हमारे प्रयासों को सतत् रखते हुए और भी ज्यादा सावधानियों का पालन करने का है, जिससे हम इस महामारी की संभावित तीसरी लहर को आने से रोक सकें। उन्होंने कहा कि इस महामारी के आगामी स्वरूप के प्रबंधन के लिए भी पहले से भी कहीं ज्यादा सशक्त ढ़ंग से अपने आप को तैयार करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि हमारे सफाई कर्मियों ने भी कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना

▪ शिवराज ने किया 199 अनाश्रित बाल हितग्राहियों को पेंशन राशि का वितरण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना के पात्र हितग्राही बच्चों को पेंशन राशि का वितरण वर्चुअल समारोह में किया। पेंशन राशि वितरण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री निवास में हुआ। योजना अंतर्गत 29 मई 2021 तक प्राप्त आवेदनों में से 109 प्रकरणों को स्वीकृत किया गया है। इनमें 199 बच्चों को लाभान्वित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने हितग्राही बच?चों से उनके परिवार के संबंध में जानकारी भी ली ओर हर संभव मदद का आश?वासन दिया। प्रदेश में कोरोना के कारण बच्चों के सर से माता-पिता का साया उठ गया है। ऐसे बच्चों की तत्काल सहायतार्थ मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना को दिनांक 21 मई 2021 से प्रदेश में लागू किया गया है। योजना का मुख्य उद्देश्य कोविड-19 से अनेक परिवारों के बच्चों को आर्थिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है, जिससे वे गरिमापूर्ण जीवन निर्वाह करते हुए अपनी शिक्षा भी निर्विघ्न रूप से पूरी कर सकें।

मोदी को सात वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर सीएम ने दी शुभकामनाएं

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सात वर्ष पूरे होने पर आज मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि वैभवशाली, गौरवशाली, समृद्ध, संपन्न तथा सशक्त भारत के निर्माण में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सात वर्ष मील का पत्थर साबित होंगे। श्री मोदी भारत की जनता के हृदय के हार हैं। उन्होंने विकास को नई गति एवं दिशा दी है तथा हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएँ प्रारंभ कर उनके जीवन को बेहतर बनाया है।

राजधानी में वैक्सीन के इंतजार में 35 हजार युवा

टीकाकरण की रफ्तार सुस्त, राजधानी में 8 लाख 22 हजार 365 लोगों ने वैक्सीन के लिए पंजीकरण

भोपाल। राजधानी में शनिवार को 18 वर्ष से ऊपर वालों को 116 केंद्रों पर टीकाकरण किया गया। जो युवा पंजीकरण के बाद स्लॉट ले चुके हैं, उन्हें ही टीका लगाया जा रहा है। केंद्र पर पंजीकरण की सुविधा शाम चार बजे के बाद दी है, लेकिन कठिन शर्तें भी हैं। टीकाकरण के शेड्यूल में मौके पर पंजीकरण का स्थानी भी खाली है। ऐसे में इस छूट का लाभ न के बराबर मिल रहा है।

सलॉट बुक करने के बाद 57 हजार 967 लोग खुराक के इंतजार में हैं, लेकिन इसमें सबसे ज्यादा 35 हजार संख्या युवा हैं। 22 हजार 967 लोगों में अधिकतर 45 वर्ष से ऊपर के हैं और पहली खुराक के आवेदक हैं। अगर मौके पर ही पंजीकरण कर स्लॉट बुकिंग के साथ शर्तें हटा दें, तो काफी राहत मिल सकती है। लोगों को पहली खुराक मिल सकती है, वेटिंग भी खत्म हो जाएगी। अब तक राजधानी भोपाल में 8 लाख 22 हजार 365 लोगों ने वैक्सीन के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें से 7 लाख 64 हजार 398 लोग खुराक ले चुके हैं, शेष 57 हजार 967 लोग अभी इंतजार में हैं। ये लोग रोजना कोविन ऐप पर स्लॉट खुलने के इंतजार में कम्प्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। इसके बाद भी काफी लोगों को सस्लॉट नहीं मिल पाते, क्योंकि सलॉट खुलते ही चंद मिनटों में ही स्लॉट भर जाते हैं। ऐसे में जिस रफ्तार से टीकाकरण होना चाहिए, वह गति नहीं पकड़ पा रहा है, वहीं सालभर में पूरा टीकाकरण हो जाने पर संदेह है। जिस तेजी से लोग कोविन ऐप और आरोग्य सेतु ऐप पर पंजीकरण कर रहे हैं, उतनी रफ्तार से टीके नहीं लग रहे। काफी समय से कोवैक्सीन का टीका ही नहीं लगा है।

प्रवासियों को रोजगार देने पंचायत अमले का छूट रहा पसीना

रीवा। लॉकडाउन में बाहर से वापस आए प्रवासियों को रोजगार देने की कवायद शुरू हो गई है। अप्रैल से लेकर मई माह में तीस हजार से अधिक प्रवासी रोजगार छोड़कर वापस आ गए हैं। जिसमें करीब पांच हजार श्रमिक वर्ग के हैं। पंचायत अमला एक हजार से अधिक श्रमिकों के जॉबकार्ड पर मनरेगा में रोजगार देने का दावा कर रहा है। जिला पंचायत ने बाहर से आने वालों की जानकारी पंचायतों से मांगी है। प्रारंभिक तौर पर बाहर से लौट से कर आए प्रवासियों में रोजगार की श्रेणीवार जानकारी मांगी है। प्रारंभिक जांच में जिला पंचायत ने दावा है कि पांच हजार से अधिक श्रमिक वर्ग के लोग बाहर से आए हैं। जिनका मनरेगा के तहत जॉबकार्ड बनाए जा रहे हैं। जिपं सीइओ ने बताया कि एक से अधिक को जॉबकार्ड पर रोजगार दिया जा चुका है। जिला प्रशासन जून माह में रोजगार मेला आयोजित करने की कवायद कर रहा है। रोजगार अधिकारी अनिल दूबे ने बताया कि जून माह में रोजगार के लिए मेला आयोजित किया जाएगा। इसके लिए कंपनियों से जानकारी ली जा रही है। उसी के आधार पर वर्चुअल इंटरव्यू या फिर जूम के माध्यम से मेला आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।

बच्चों को कोरोना से बचाएगा फ्लू वैक्सीन से मिलने वाला सुरक्षा चक्र

भोपाल। कोरोना संक्रमण से बचाव में फ्लू बैक्सीन (इन्फ्लुएंजा फ्लू) बच्चों के लिए ढाल साबित हो सकती है। मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए दी जाने बाली यह बैक्सीन कोरोना के खतरे से भी बचा सकती है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक ने भी बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे लगाने की सलाह दी है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक की मप्र इकाई के उपाध्यक्ष डॉ. मुकेश बिरला मे बताया, इन्फ्लुएंजा फ्लू वैक्सीन 6 माह से अधिक के बच्चों को दी जा सकती है। शिशु रोग विशेषज्ञ विवेक पाठक ने

बताया, इंदौर के कई डॉक्टरों ने बच्चों को इन्फ्लुएंजा फ्लू वैक्सीन लगाना शुरू कर दिया है। हालांकि डॉक्टर की सलाह पर ही इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश स्मॉल स्केल ड्रग मैनुफेक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हिमांशु शाह का कहना है देश में फ्लू इंजेक्शन का पर्याप्त मात्रा में उत्पादन हो रहा है। कुछ डिमांड बढ़ी है, लेकिन आने वाले दिनों में कमी नहीं होगी। कोरोना की दूसरी लहर में जिन बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को खोया है उनको सरकार पांच हजार रुपए महीने सहायता राशि देने जा रही है।

प्रधानमंत्री राहत कोष के तहत स्कूल में रखे-रखे सड़ गया गरीबों के लिए आया सैकड़ों टन अनाज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री राहत कोष के तहत दिल्ली सरकार को गरीबों को बांटने के लिए मिला अनाज स्कूल में ही सड़ गया। यह अनाज पिछले साल कोरोना काल में गरीबों और जरूरतमंद लोगों को बांटने के लिए दिया गया था। वसंत कुंज वार्ड के निगम पार्षद मनोज महलावत ने बताया कि मसूदपुर के जिस निगम प्राथमिक स्कूल में यह अनाज रखा हुआ था उसके आसपास भयंकर दुर्गंध आ रही थी। इस बारे में नई दिल्ली जिले के एडीएम ने कहा है कि पूरे मामले की जानकारी हासिल करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि शनिवार को प्रशासन का पक्ष रखा जाएगा।

प्रिंसिपल से खुलवाया ताला : उन्होंने प्रिंसिपल से संपर्क कर स्कूल के हॉल का ताला खुलवाया तो देखा वहां सैकड़ों टन गेहूं और चावल बोरों में सड़ गया है। उसमें फंगस लग गया और कीड़े तक पड़ गए हैं। मनोज ने बताया कि दस्तावेज के हिसाब से यह 647 टन अनाज है। लॉकडाउन के दौरान पिछले साल प्रधानमंत्री राहत कोष से यह अनाज दिल्ली सरकार को गरीबों को बांटने के लिए दिया गया था। इसे लोगों को बांटने की बजाय निगम के स्कूल में रखवा दिया गया और यहीं रखे-रखे यह सड़ गया। मनोज महलावत ने बताया कि स्कूल के प्रिंसिपल ने भी दिल्ली सरकार के अधिकारियों से कई बार अनुरोध किया था कि अनाज खराब हो रहा है।

उसे यहां से हटवा लिया जाए लेकिन अधिकारियों ने नहीं सुनीं। वहीं, स्थानीय विधायक नरेश यादव ने बताया कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। हो सकता है कि कुछ अनाज बांटने के बाद बच गया हो और वही खराब हो गया हो। उन्होंने कहा कि यह पिछले साल का ही अनाज होगा क्योंकि इस साल इस स्कूल में अनाज वितरण सेंटर या गोदाम नहीं बनाया गया है। इस बार तीन अलग स्कूलों में वितरण सेंटर बनाए गए हैं।

फंगस के आठ मरीजों को ठीक होने पर एम्स से मिली छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के अस्पतालों में लगातार फंगस के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हालांकि इन अस्पतालों से कुछ मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज भी हुए हैं। इसी क्रम में सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से अभी तक फंगस के आठ मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। इसके साथ ही अस्पताल में अभी फंगस के 120 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। उनका अभी इलाज चल रहा है। डाक्टरों के मुताबिक इनमें जिन मरीजों की सर्जरी हुई है उनको डिस्चार्ज करने में समय लगता है। एम्स में सबसे पहले मरीजों को भर्ती करना शुरू किया था। साथ ही इनके इलाज के लिए इंजेक्शन और आदि की व्यवस्था कर तत्काल इलाज की सुविधा शुरू की थी। इसके बाद से यहां लगातार मरीजों का भर्ती होना जारी है।वहीं, उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने गिरधर लाल प्रसूति अस्पताल का निरीक्षण किया।

आठ घंटे खुलेगा बाजार, व्यापारियों ने विधायक से की चर्चा

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। कोरोना संक्रमण का खतरा कम होने के बाद अब बाजार खोलने की तैयारी की जा रही है। बाजार खोलने के लिए नियम तय कर दिए गए हैं। व्यापारियों को शारीरिक दूरी का पालन करना होगा साथ ही दुकान के अंदर सीमित संख्या में ग्राहकों का प्रवेश रहेगा। इसके अलावा दुकान में कोविड नियमों के संबंध में जानकारी चस्पा करनी होगी। सोमवार को सर्किट हाउस में नर्मदापुरम विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात की। बाजार आठ घंटे खुला रखने पर सभी ने सहमति जताई है। सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक दुकानें खुली रहेंगी। जिले में रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक नाइट कर्फ्यू रहेगा। इसके अलावा रूल ऑफ सिक्स के तहत किसी भी स्थान पर 6 से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा।

रविवार को रहेगा जनता कर्फ्यू

डिस्ट्रिक्ट क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार रविवार को जनता कर्फ्यू रहेगा। ग्रुप द्वारा निर्णय लिया गया कि जिले में 15 जून तक प्रत्येक शनिवार और रविवार जनता कर्फ्यू लगाएं जाने के लिए प्रस्ताव स्वीकृति हेतु शासन को भेजा जाएगा। विधायक डॉक्टर शर्मा द्वारा गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, मेडिकल स्टोर्स आदि में कार्य करने वाले कर्मियों को प्राथमिकता से टीकाकरण किए जाने का सुझाव दिया गया। विधायक सिवनीमालवा ने तीसरी लहर के लिए समुचित पूर्व तैयारियां सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

जंगल सफारी के लिए पहुंचे 24 पर्यटक

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। कोरोना संक्रमण का खतरा कम होते ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। मंगलवार को एसटीआर क्षेत्र में 24 पर्यटक सैर करने के लिए पहुंचे। पचमढ़ी में तीन जिप्सी चलीं तो वहीं चूराना में एक जिप्सी का संचालन हुआ। पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था भी एसटीआर प्रबंधन द्वारा की गई है। प्रबंधन के आला अधिकारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की संख्या यहां बढ़ेगी। चूरना रेंज में पर्यटकों को नीलगाय और हिरण का झुंड नजर आया है।

एसटीआर प्रबंधन ने इसे आधिकारिक साइट पर भी अपलोड किया है। एसटीआर के क्षेत्र संचालक एल कृष्ण मूर्ति ने बताया कि पचमढ़ी में पर्यटक विभिन्ना पर्यटन स्थलों पर पहुंचे थे। जो पर्यटक आए थे उनमें अधिकांश भोपाल व आसपास के क्षेत्रों के ही थे। दूसरे राज्यों से आएंगे पर्यटकः दूसरे राज्यों से भी पर्यटकों के आने की संभावना जताई जा रही है।

मढ़ई के लिए नहीं मिली बुकिंग

सोहागपुर से सटे पर्यटन स्थल मढ़ई को पर्यटन के लिहाज से सबसे समृद्ध माना जाता है, लेकिन यहां के लिए एक भी बुकिंग नहीं आई है। देनवा के दूसरी ओर घने जंगल में कई वन्यप्राणी विचरण करते यहां देखे जा सकते हैं। एसटीआर प्रबंधन का मानना है कि मढ़ई के लिए सबसे ज्यादा बुकिंग होगी। दो माह पहले मढ़ई में ही सबसे ज्यादा पर्यटक आए थे।

शहर से दूर बने जिला आयुर्वेदिक अस्पताल में पहुंचते हैं कम मरीज

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। संभाग मुख्यालय पर स्थित जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए भले ही स्वास्थ्य विभाग ने कुछ इंतजाम कर दिए हों, लेकिन आयुर्वेद लेकर उपेक्षा बरती जा रही है। जिला आयुर्वेदिक अस्पताल में 10 कक्षों वाला आयुर्वेदिक अस्पताल संचालित है, लेकिन शहर से तीन किलोमीटर की दूरी के कारण लोग इस अस्पताल की सुविधाओं का लाभ नहीं ले पाते हैं। यहां पर निश्शुल्क आयुर्वेदिक दवाएं मिलती है। पंचकर्म की व्यवस्था है। यहां तक की भर्ती होने के लिए 20 बिस्तर लगे हुए हैं। वहीं ज्यादा मरीज आने की स्थिति में 10 बिस्तर और रखे हुए हैं, लेकिन वर्तमान में कोरोना गाइडलाइन के कारण मरीजों की भर्ती करने व पंचकर्म की सुविधा नहीं दी जा रही है।

भर्ती किए जाएंगे मरीज

आयुर्वेदिक अस्पताल के पास मरीजों को भर्ती की करने की सुविधा पूर्व में नहीं थी, लेकिन अब इस अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने की सुविधा हो गई है। पूर्व में ओपीडी तक ही मरीज सीमित थे। नया अस्पताल बनने के बाद मरीजों को भर्ती करने की सुविधा शुरू हो गई है, लेकिन जहां जिला अस्पताल में गर्मी के मौसम में मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। वहां पलंग खाली नहीं हैं, लेकिन यहां पर सभी 20 पलंग खाली हैं।

पंचकर्म की सुविधाएं: इस अस्पताल में मरीजों के लिए पंचकर्म की भी व्यवस्था है। मालिश के साथ ही पंचकर्म किया जाता है, जिससे मरीजों को लाभ मिलता है। लेकिन कोरोना के कारण अभी बंद है। कोरोना के समाप्त होने पर फिर से पंचकर्म को चालू किया जाएगा।

नर्मदापुरम में 9.50 लाख हेक्टेयर में होगी खरीफ की बोवनी

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। गेहूं की खरीदी में प्रदेश में अव्वल नर्मदापुरम अब मूंग की पैदावार में भी रिकार्ड बनाने जा रहा है। इस बार सबसे अधिक 2 लाख 20 हजार हेक्टेयर में मूंग की बोवनी हुई है, जिसकी कटाई शुरू होने वाली है। रबी और ग्रीष्मकालीन फसलों की कटाई के साथ ही कृषि प्रधान नर्मदापुरम संभाग में अब खरीफ की आगामी फसलों की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार पूरे संभाग के तीनों जिलों में खाद्यान्न,दलहन व तिलहन मिलाकर कुल 9 लाख 50 हजार हेक्टेर में बोवनी करना प्रस्तावित किया जा रहा है। खरीफ की तैयारी विभाग और किसानों के द्वारा शुरू की जा रही है। इन फसलों के प्रमाणिक बीज की तलाश दोनों पक्षों ने शुरू कर दी है। जिसमें धान और मक्का का कुछ बीज तो उपलब्ध भी हो गया है। बाकी सोयाबीन और और ज्वार का बीज बुलवाया जा रहा है, जिससे बोवनी के दौरान दिक्कत न हो। संभाग में इस वर्ष कुल 9 लाख 50 हजार हेक्टयेर में खरीफ मौसम की बोवनी का लक्ष्य बनाया जा रहा है। संभाग के तीनों जिलों होशंगाबाद, हरदा और बैतूल में इस बार खाद्यान्न की बोवनी 4 लाख 50 हजार हेक्टेयर में की जाना है। वहीं दलहन की फसलों की बोवनी 55 हजार हेक्टेयर में होगी। तिलहन में सोयाबीन के साथ अन्य फसलों का कुल मिलाकर 4 लाख 40 हजार हेक्टेयर का प्रस्ताव बनाया जा रहा है।

जून में घोषित होना है 10 वीं का परिणाम, स्कूल संचालकों को रिजल्ट बनाने में आ रही परेशानी

नर्मदापुरम(होशंगाबाद)। कोरोना के कारण पढ़ाई प्रभावित हुई है। इस साल माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं बोर्ड की परीक्षा निरस्त कर दी है। अब स्कूलों को ही परीक्षा परिणाम घोषित करना है। इसके लिए मंडल से गाइड लाइन मिली है उसी आधार पर परिणाम तैयार होना है। स्कूलों में परीक्षा परिणाम तैयार करने की कवायद जारी है। जिला शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में परिणाम तैयार किया जा रहा है। जिसमें आंतरिक मूल्यांकन के साथ अर्द्धवार्षिक, रिवीजन टेस्ट व प्री बोर्ड परीक्षा के आधार पर रिजल्ट तैयार किया जाएगा। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रायोगिक परीक्षा भी निरस्त कर दी है। मंडल के निर्देश के अनुसार स्कूलों को ओएमआर शीट में अंक भरकर 10 जून तक मंडल की वेबसाइट पर अपलोड करना है। इसके साथ ही ऑफलाइन भी जमा करना है, ताकि परिणाम जारी किया जा सके। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मिल रही जानकारी के अनुसार दसवी कक्षा का परिणाम 15 जून तक घोषित घोषित होने की संभावना है। विद्यार्थियों को स्कूल के तीन साल के परीक्षा परिणाम के आधार पर अंक दिए जाएंगे।

कोविड-19 के इलाज में कारगर साबित हो सकता है मोनोक्लोनल एंटीबॉडी कॉकटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के इलाज के लिए अमेरिका में विकसित किए गए मोनोक्लोनल एंटीबाडी इंजेक्शन का दिल्ली में भी इस्तेमाल शुरू हो गया है। इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में बृहस्पतिवार रात को 65 वर्षीय बुजुर्ग को यह इंजेक्शन दिया गया, जो मोनोक्लोनल एंटीबाडी केसिरिविमैब और इमडेविमैब का कॉकटेल (मिश्रण) है।

कोरोना से पीड़ित बुजुर्ग मूलरूप से हरियाणा के रोहतक के रहने वाले हैं। इंजेक्शन देने के दो घंटे तक उन्हें डाक्टरों की निगरानी में रखा गया। करीब दो घंटे बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसके पहले यह इंजेक्शन गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में 84 वर्षीय बुजुर्ग मरीज को दिया गया था। मोनोक्लोनल एंटीबाडी इंजेक्शन हल्के एवं मध्यम संक्रमण वाले मरीजों को दिया जाता है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा इस माह के पहले सप्ताह में इंमरजेंसी इस्तेमाल की स्वीकृति मिलने के बाद 24 मई को भारतीय कंपनी के साथ मिलकर रोश इंडिया ने इस इंजेक्शन को जारी किया है। अपोलो अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. अनुपम सिब्बल ने कहा कि मोनोक्लोनल एंटीबाडी इंजेक्शन मरीज के शरीर में मौजूद वायरस को जल्द न्यूट्रलाइज कर देती है। उम्मीद है कि यह इंजेक्शन हल्के संक्रमण वाले मरीजों में बीमारी बढ़ने से रोकने में समक्ष होगी। अस्पताल के श्वास

रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश चावला ने कहा कि यह मोनोक्लोनल एंटीबाडी मनुष्य की एंटीबाडी की तरह है। 600-600 मिलीग्राम के दो इंजेक्शन केसिरिविमैब और इमडेविमैब हैं। जिसे सलाइन में मिलाकर नसों जरिये आधे घंटे में मरीज को दिया जाता है। यह प्राकृतिक एंटीबाडी की तरह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। इस वजह से बीमारी गंभीर नहीं हो पाती। दो दिन पहले ही मरीज की आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट पाजिटिव आई थी। बुजुर्गों में बीमारी गंभीर होने की आशंका रहती है। इस वजह से उन्हें यह इंजेक्शन दिया गया।संक्रमित होने के 72 घंटे के भीतर यह इंजेक्शन देने से परिणाम बेहतर आता है।

संक्षिप्त समाचार

मेला-ठेला, रैलियां, आयोजन, उत्सव यह सब बंद रहेंगेः सीएम

रायसेन। रायसेन जिले में कोरोना संक्रमण दर एक फीसद होने की सीएम शिवराज सिंह चौहान ने नेतृत्व व प्रशासन को बधाई दी है। चौहान ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिले में कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए चल रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक के बाद मीडिया के सवालों का जबाव देते हुए सीएम ने कहा कि मप्र में लॉकडाउन तभी खत्म होगा जब कोरोना खत्म होगा। क्योंकि कोरोना का संक्रमण रोकने के अनुरूप व्यवहार हमको करना पड़ेगा। जनता को मास्क लगाना होगा, दूरी बनाना पड़ेगी। जब देखेंगे कि केस बहुत कम आ रहे है और लोग कोरोना संक्रमण को रोकने का व्यवहार कर रहे है तो जनता ही तय करेगी कि अब यह ठीक है। अब मास्क वगैरह तो परमानेंट रखना पड़ेगा। क्योंकि कोरोना तो रहेगा, वायरस रहेगा वो जाने नहीं वाला, मास्क नहीं लगा तो कहीं से भी घुसेगा फिर संक्रमित करेगा। तो हमारा व्यवहार व हमको और वैक्सीन ये दो चीज करनी पड़ेगी। इसी के साथ-साथ दुनिया भी चले और कोरोना भी मुकाबला करें। तीसरी लहर से बचाव की क्या तैयारी सरकार कर रही है इस प्रश्न के जवाब में सीएम ने कहा कि ऑक्सीजन बेड, आइसीयू बेड, बच्चों का वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट यह लगाने की योजना है। बिना रजिस्ट्रेशन के युवाओं को वैक्सीनेशन की क्या योजना है इस प्रश्न को सीएम टाल गए और दूसरे प्रश्न का जवाब देने लगे।

बाजार खुलते ही एसडीएम ने किया निरीक्षण

देवनगर। मंगलवार को किराना मार्केट एवं अन्य दुकान खुलने पर गैरतगंज एसडीएम प्रियंका मिमरोट, नायब तहसीलदार तुलसीराम लाडिया, राजस्व निरीक्षक राकेश सक्सेना, राजेंद्र श्रीवास्तव, थाना प्रभारी व अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण करते हुए दुकानदारों को कोविड गाइड लाइन का पालन करने के निर्देश दिए। दुकानों के सामने गोला बनाए जाने एवं दो गज की दूरी, मास्क पहनकर सामान देना एवं ग्राहकों को भी मास्क लगाने के लिए कहना इत्यादि नियमों का पालन करना जरूरी है।

बाड़ी में गाइड लाइन का उल्लंघन करने पर तीन दुकानें सील

बाड़ी। नगर में कोरोना संक्रमण की दर में कमी आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के पालन में मंगलवार से अनलॉक प्रक्रिया शुरू हो गई। कोविड प्रोटोकॉल की शर्तों के साथ नगर में सुबह 9 से शाम 6 बजे तक दुकानें खोली गईं। नगर का जायजा लेने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट व तहसीलदार राकेश शुक्ला एवं नगर निरीक्षक सत्यप्रकाश सक्सेना के संयुक्त तत्वाधान में नगर परिषद अमले के साथ मुख्य बाजार का निरीक्षण किया। जिसमें अनलॉक में प्रतिबंधित दुकानें खुली पाए जाने पर मौके पर दो दुकानें, जनरल स्टोर्स, फोटो स्टूडियो को सील करने की कार्रवाई की गई तथा सख्त हिदायत दी गई। तहसीलदार शुक्ला ने बताया कि अनलॉक के दौरान केवल प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियों में अनुमति प्रदान की गई है। दुकानदारों को दुकानों के सामने गोले बनाने, दूरी बनाने के साथ नो मास्क, नो सर्विस की हिदायत दी गई है। नगर निरीक्षक थाना प्रभारी सत्यप्रकाश सक्सेना ने बताया कि जिला प्रशासन से प्राप्त निर्देशों के तहत नियमों के पालन कराने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है।

दो लाख रुपये से भरा थैला बैंक के अंदर से गायब

बरेली। सहकारी बैंक बरेली में सोमवार को दोपहर जब किसान ने अपनी फसल के दो लाख रुपये लेकर थैले में रखे और बैंक के अंदर ही किसान रूप सिंह बेंच पर बैठ गया। जिस थैले में किसान राशि रखे हुए था उस थैले को रूप सिंह ने अपने पैरों के बीच में बेंच के नीचे रख लिया था। थोड़ी देर बाद जब के सामने थैला उठाने की कोशिश की तो देखा थैला वहां से गायब था। जिस जगह किसान रूप सिंह बैठा हुआ था वहां तीन किसान और बैठे हुए थे उन्हें भी थैला गायब होने की भनक नहीं लगी। किसान को पता ही नहीं चल पाया थैला कैसे गायब हो गया है। किसान के साथ तीन लोग और थे जिनको भी थैला गायब होने की भनक नहीं लगी। बरेली सहकारी बैंक से किसान रूप सिंह ने अपने

गेहूं के पैसे दो लाख रुपये निकाले थे। दो हजार के नोट की एक गड्डी बैंक द्वारा किसान को दी गई थी। किसान रूप सिंह पैसे निकाल कर बैंक द्वारा रखवाई कुर्सियों पर बैठ गए और थैला अपनी कुर्सी के नीचे रख लिया किसान का ध्यान काफी देर बाद थैले पर गया जो चोरी हो चुका था। आसपास बैठे लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी किसान रूप सिंह ने बरेली थाने में शिकायत की जिस पर थाना प्रभारी ने टीम बनाकर नगर में नाकाबंदी की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। किसान को अपने साथ हुई इस घटना का पता नहीं चल पाया इस तरह का चोर गिरोह जिले में सक्रिय नजर आ रहा है। किसान रूप सिंह बरेली थाने पहुंचा जहां विस्तार से उसने उसके साथ घटी चोरी की घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोर की तलाश की जा रही है। जिला सहकारी बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे नया घटना की जानकारी दर्ज नहीं हो पाई यहां की शासकीय अशासकीय संस्थाओं में लगे सीसीटीवी कैमरे सिर्फ दिखावा बनकर रह गए हैं।

विलीनीकरण आंदोलन में रायसेन जिले के चार लोग हुए थे शहीद

रायसेन। देश 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हो गया था, लेकिन आजादी मिलने के 659 दिन बाद 1 जून 1949 को भोपाल में तिरंगा झंडा फहराया गया। भोपाल रियासत के भारत गणराज्य के विलय में लगभग दो साल का समय इसलिए लगा किए भोपाल नवाब हमीदुल्ला खां इसे स्वतंत्र रियासत के रूप में रखना चाहते थे। साथ ही हैदराबाद निजाम उन्हें पाकिस्तान में विलय के लिए प्रेरित कर रहे थे जो कि भौगोलिक दृष्टि से असंभव था। आजादी के इतने समय बाद भी भोपाल रियासत का विलय न होने से जनता में भारी आक्रोश था। यह आक्रोश विलीनीकरण आंदोलन में परिवर्तित हो गयाए जिसने आगे जाकर उग्र रूप ले लिया। भोपाल रियासत के विलीनीकरण में रायसेन जिले के ग्राम बोरास में 4 युवा शहीद हुए थे। यह चारों शहीद 30 साल से कम उम्र के थे। इनकी उम्र को देखकर उस वक्त युवाओं में देशभक्ति के जज्बे का अनुमान लगाया जा सकता है। शहीद होने वालों में धनसिंह आयु 25 वर्ष, मंगलसिंह 30 वर्ष, विशाल सिंह 25 वर्ष और एक 16 वर्षीय किशोर छोटेलाल शमिल था। इन शहीदों की स्मृति में उदयपुरा तहसील के ग्राम बोरास में नर्मदा तट पर 14 जनवरी 1984 में स्मारक स्थापित किया गया है। नर्मदा के साथ-साथ बोरास का यह शहीद स्मारक भी उतना ही पावन और श्रद्धा का केन्द्र है।

प्रतिवर्ष यहां 14 जनवरी को विशाल मेला आयोजित होता आ रहा है। 14 जनवरी 1949 को उदयपुरा तहसील के ग्राम बोरास के नर्मदा तट पर विलीनीकरण आंदोलन को लेकर विशाल सभा चल रही थी। सभा को चारों ओर से भारी पुलिस बल ने घेर रखा था। सभा में आने वालों के पास जो लाठियां और डण्डे थे उन्हें पुलिस ने रखवा लिया। विलीनीकरण आन्दोलन के सभी बड़े नेताओं को पहले ही बन्दी बना लिया गया था। बोरास में 14 जनवरी को तिरंगा झंडा फहराया जाना था। आंदोलन के सभी बड़े नेताओं की गैर मौजूदगी को देखते हुए बैजनाथ गुप्ता आगे आए और उन्होंने तिरंगा झंडा फहराया। तिरंगा फहराते ही बोरास का नर्मदा तट भारत माता की जय और विलीनीकरण होकर रहेगा नारों से गूंज उठा। पुलिस के मुखिया ने कहा जो विलीनीकरण के नारे लगाएगा उसे गोलियों से भून दिया जाएगा। उस दरोगा की यह धमकी सुनते ही एक 16 साल का किशोर छोटेलाल हाथ में तिरंगा लेकर आगे आया और उसने भारत माता की जय और विलीनीकरण होकर रहेगा नारा लगाया। पुलिस ने छोटेलाल पर गोलियां चलाई और वह गिरता इससे पहले धनसिंह नामक युवक ने तिरंगा थाम लियाए धनसिंह पर भी गोलिया चलाई गई। फिर मंगलसिंह पर और विशाल सिंह पर गोलियां चलाई गई, लेकिन किसी ने भी तिरंगा नीचे नहीं गिरने दिया। इस गोली कांड में कई लोग गम्भीर रूप से घायल हुए। बोरास में आयोजित विलीनीकरण आंदोलन की सभा में होशंगाबाद, सीहोर से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। बोरास में 16 जनवरी को शहीदों की विशाल शवयात्रा निकाली गई।

आधा-अधूरा खुला बाजार, व्यापारी बोले- पूरे की दे अनुमति

रायसेन। जिले में एक जून से प्रशासन ने अनेक पाबंदियों के साथ अनलॉक किया है। इस कारण मंगलवार को आधा-अधूरा बाजार ही खुला। सुबह 9 बजे सब्जी, फल, किराना और कुछ जरूरी सामानों की दुकानें खुलने के बाद ग्राहक खरीदारी करने पहुंचे। ग्रामीण क्षेत्रों से ग्राहकों की संख्या कम आने से ज्यादातर दुकानें बंद रहीं। दोपहर में अधिकांश दुकानें बंद थीं। शाम 6 बजे पूरा बाजार बंद हो गया। इस तरह कोविड गाइड लाइन का पालन करने की सख्त हिदायत के लिए दुकानदारों ने भी कारोबार शुरू करने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। गंजबाजार, महामाया चौक, सांची मार्ग सहित अन्य स्थानों पर किराना व इलेक्ट्रॉनिक की छिटपुट दुकानें खुली हुई नजर आईं। व्यापारियों का कहना है कि इतनी अधिक बंदिशों के चलते कारोबार करने में समस्या पैदा हो रही है। सराफा व्यापार संघ के उपाध्यक्ष गोविंद सोनी के नेतृत्व में व्यापारियों के प्रतिनिधि मंडल के मंगलवार को दोपहर कलेक्टर उमाशंकर भार्गव से मुलाकात की। व्यापरियों ने कलेक्टर भार्गव से कहा कि संपूर्ण व्यापार खोलकर कारोबार को दोबारा से पटरी पर लाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने उनके इस प्रस्ताव को शासन के पास भेजने की बात कही। साथ ही जैसे ही शासन से आदेश आएगा हम समूचे बाजार की दुकानें खोल दी जाएंगी। चिंता की कोई बात नहीं है। इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में पूर्व व्यापार महासंघ के अध्यक्ष प्रमोद कांकर, अनिल चौरसिया, बबलू ठाकुर, प्रशांत अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, कपड़ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष अंकुर, लालू जैन, बर्तन व्यापारी संघ के अध्यक्ष अरविंद ताम्रकार, बंटी चक्रवर्ती, अशोक चक्रवर्ती आदि शामिल हुए।

नप के बगीचे से गायब हो गई फल व फूलों की सुगंध, वीरान पड़ा

सुल्तानपुर। वर्ष 1980 में शासन द्वारा ग्राम पंचायत सुल्तानपुर को हरियाली प्रोजेक्ट के अंतर्गत 5 एकड़ भूमि आवंटित की गई थी। हरियाली महोत्सव के चलते वर्ष 1985-86 में फलदार एवं छायादार करीब 500 पौधे रोपे गए थे। जिसमें आम, अमरूद, नींबू, जामुन, संतरा, पपीता, सीताफल एवं छायादार पेड़ इस बगीचे में लगाए गए थे। इसके साथ ही शेष बची जमीन को कृषि हेतु उपयोगी बनाया गया था। जहां नगर परिषद स्तर पर इस भूमि की फेंसिंग की गई एवं पानी हेतु 2 बोर किए गए। जिसमें 1 बोर में ना के बराबर पानी निकलता था और दूसरा बोर पानी हेतु उपयोगी साबित हुआ।

जहां नगर परिषद द्वारा एक पानी की टंकी जिसमें लोग पानी पी सके एवं बच्चों के लिए फिसल पट्टी एवं अन्य उपाय किए गए थे। जब नगर परिषद के अच्छे रखरखाव के चलते यह पेड़ छायादार एवं फलदार हो गए तो शासन स्तर पर इसकी नीलामी की प्रक्रिया की गई। नीलामी से स्थानीय शासन को हर वर्ष 25 से 35 हजार रुपये सालाना आय होने लगी थी। बेरोजगारों को रोजगार के

अवसर मुहैया होने लगा था। सन 1994 में परिषद के अध्यक्ष रहे कन्हैया लाल गौर ने बताया कि मेरे कार्यकाल के पहले से ही हरियाली प्रोजेक्ट के अंतर्गत बनाया बगीचा पूर्ण रूप से विकसित हो चुका था। जिसमें नगर परिषद का एक कर्मचारी 24 घंटे की रखवाली करता था। इस व्यवस्था को देखते हुए मैंने नगर परिषद को विश्वास में लेते हुए नीलामी प्रक्रिया को यथावत रखा। जिससे नगर परिषद को अच्छी खासी आए होने लगी। वहीं दूसरी ओर नगर को बगीचे के रूप में एक व्यवस्थित सौगात मिली थी। 1990 में नगर परिषद कर्मचारी यूनियन द्वारा शासन से इस 5 एकड़ भूमि के क्षेत्र में कर्मचारियों के लिए भूमि आवंटन कर मकान बनाने हेतु स्वीकृति की मांग की गई थी। जिसे शासन द्वारा यह कहकर निरस्त कर दिया गया था की उक्त स्थान हरियाली प्रोजेक्ट के अंतर्गत आता है यहां सिर्फ बगीचा ही स्थापित हो सकता है ना कि मकान। लेकिन तत्कालीन नगर परिषद द्वारा सब नियमों को ताक में रखते हुए यहां बर्षो पुरानी नीलामी प्रक्रिया को बंद कर इस फलते फूलते बगीचे को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया गया। आज ना कोई यहां फेंसिंग नजर आती है ना हरियाली के नाम पर रोपे गए पौधे।

हरियाली को उजाड़ बना दी नल जल योजना की टंकी जहां एक और शासन ने सरकारी कॉलोनी बनाने हेतु मना ही कर दी थी। आज यहां शासन को अंधेरे में रखकर नल जल योजना हेतु पानी की टंकी बनाना तो नगर परिषद का नगर के विकास हेतु कदम है पर इस विकास के बीच अन्य आवासीय मकान बनाने की अनुमति कैसे दे दी गई यह नगर के विकास पर प्रश्न चिन्ह है।

संपादकीय

पंच-परमेश्वर से गाँव के विकास को मिली नई दिशा

भोपाल। अमर कहानीकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी पंच-परमेश्वर भारत के लोकतांत्रिक ढाँचे में आमजन की श्रद्धा और गाँव-गाँव में पुराने समय से स्थापित पंचायत-राज व्यवस्था का अनुपम उदाहरण रही है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इसी अवधारणा के दृष्टिगत पंचायतों में सुदृढ़ ढाँचा तैयार करने में पंच-परमेश्वर योजना का सूत्रपात किया गया है। मध्यप्रदेश में 23 मार्च 2020 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के साथ ही कोविड-19 जैसी महामारी से निपटने के महा-अभियान की शुरूआत भी हुई है। 22 हजार 812 ग्राम पंचायतों और 55 हजार से अधिक गाँव वाले इस राज्य में 2 तिहाई आबादी गाँव में ही निवास करती है। इन परिस्थितियों, इतनी आबादी और पंचायत राज संस्थाओं को सक्रिय बनाना एक बड़ी चुनौती थी। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 (नियंत्रित करने) के लिए

बहु-आयामी रणनीति पर काम किया गया। इसका परिणाम है कि मध्यप्रदेश में देश के अन्य राज्यों की तुलना में कोरोना मरीजों की संख्या कम रही है। ग्रामीण अंचल में कोरोना से लड़ने तथा पंचायतों के सुदृढ़ीकरण में पंच-परमेश्वर योजना वरदान साबित हुई है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 जून को 14वें वित्त आयोग की 1555 करोड़ रूपये की राशि ग्राम पंचायतों को जारी की। इतनी बड़ी मात्रा में एक साथ राशि मिलने से ग्राम-पंचायतों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। प्रदेश में औसतन 7 से 8 लाख रूपये की राशि एक ग्राम-पंचायत के खाते में पहुँची है। राज्य सरकार ने पंच-परमेश्वर योजना की गाइडलाइन में भी ग्राम-पंचायतों को अधिक स्वतंत्रता और स्वायत्ता दी। कोरोना संक्रमण के इस दौर में ग्राम-पंचायतों के सामने मुख्य चुनौती थी गाँव और ग्रामीणों को कोरोना के संक्रमण से बचाना, गाँव में स्वच्छ पेयजल और अधोसंरचना को सुदृढ़ करना। पंच-परमेश्वर योजना 14वें वित्त की राशि में 2.5 प्रतिशत राशि ग्राम पंचायत के सेनिटाईजेशन, ग्रामीणों और प्रवासी मजदूरों को मास्क उपलब्ध कराने पर व्यय की अनुमति दी गई।

भारत की अखंडता-संप्रभुता के लिए बड़ा खतरा हैं विदेशी सोशल मीडिया कंपनियाँ

देश की हालत यह थी कि भारतवासी चाय पीते थे तो ईस्ट इंडिया कंपनी की और कपड़े पहनते थे तो ईस्ट इंडिया कंपनी के। ईस्ट इंडिया कंपनी पर किताब लिखने वाले निक रॉबिंस ने अपनी पुस्तक में लिखा था कि इस कंपनी की आज की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों से तुलना की जा सकती है। कम्पनी का भारत की इनसाइडर ट्रेडिंग, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जैसे आज की चीजों का असर और दखल रहता था। जैसे आज कंपनियां अपने फायदे के लिए हुक्मरानों-नेताओं ही नहीं अपने ही देश के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों के बीच भी कम्पनी लॉबिंग करती थी, ईस्ट इंडिया कंपनी भी उस दौर में ऐसी शख्सियतों से नजदीकी रखती थी। नेताओं-राजाओं को खुश करने की कोशिश में जुटी रहती थी।

संजय सक्सेना

विदेशी सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर और व्हाट्सएप का कुछ वर्ष पूर्व ठीक वैसे ही हिन्दुस्तान में पर्दापण हुआ था, जैसे कभी 'ईस्ट इंडिया कम्पनी' के नाम पर अंग्रेज व्यापार करने के लिए भारत में पधारे थे। ईस्ट इंडिया कंपनी सन 1600 में बनाई गई थी। उस समय ब्रिटेन की महारानी थीं एलिजाबेथ प्रथम थीं, जिन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी को एशिया में कारोबार करने की खुली छूट दी थी, बात एशिया में कारोबार की होती जरूर थी, लेकिन कम्पनी की नजर सिर्फ और सिर्फ हिन्दुस्तान पर टिकी हुई थी। कम्पनी के पीछे के इरादों को कोई भांप नहीं पाया था। इसी के चलते यह कंपनी कारोबार करते-करते ही भारत में सरकार बनाने की साजिश तक में कामयाब हो गई। उसकी इस साजिश को अमलीजामा पहनाने वालों में कुछ हिन्दुस्तानियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

देश की हालत यह थी कि भारतवासी चाय पीते थे तो ईस्ट इंडिया कंपनी की और कपड़े पहनते थे तो ईस्ट इंडिया कंपनी के। ईस्ट इंडिया कंपनी पर किताब लिखने वाले निक रॉबिंस ने अपनी पुस्तक में लिखा था कि इस कंपनी की आज की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों से तुलना की जा सकती है। कम्पनी का भारत की इनसाइडर ट्रेडिंग, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जैसे आज की चीजों का असर और दखल रहता था। जैसे आज कंपनियां अपने फायदे के लिए हुक्मरानों-नेताओं ही नहीं अपने ही देश के खिलाफ षड्यंत्र रचने वालों के बीच भी कम्पनी लॉबिंग करती थी, ईस्ट इंडिया कंपनी भी उस दौर में ऐसी शख्सियतों से नजदीकी रखती थी। नेताओं-राजाओं को खुश करने की कोशिश में जुटी रहती थी। इसका भी मुख्यालय आज के गूगल, फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सएप जैसी कंपनियों के शानदार दफ्तरों जैसा होता था।

जरूरत पड़ने पर यह कम्पनियां देश को दंगों की आग में झोंकने से भी नहीं चूकती हैं। चुनाव के समय ऐसे नेताओं और दलों को प्रचार-प्रसर में बढ़ावा देती हैं जिनके माध्यम से कम्पनी के हित सधते हैं। यह वह नेता होते हैं जो कभी अमेरिका से प्रकाशित %न्यूयार्क टाइम्स' में छपी खबर के आधार पर देश को विदेश में बदनाम करते हैं तो कभी देश को नीचा दिखाने के लिए चीन-पाकिस्तान से गलबहिया कर लेते हैं। ईस्ट इंडिया कम्पनी की तरह की आज ट्विटर और व्हाट्सएप जैसी कम्पनियां भी भारतीय संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए केन्द्र सरकार पर आंखें तरेर रही हैं। हालांकि अब समय बदल गया है, तब देश पर कब्जा करने के लिए ईस्ट इंडिया कम्पनी आई थी, आज की %ईस्ट इंडिया कम्पनियां' देश के बाजार पर कब्जा करने की होड़ में लगी हैं, इसीलिए वह अपनी पसंद की

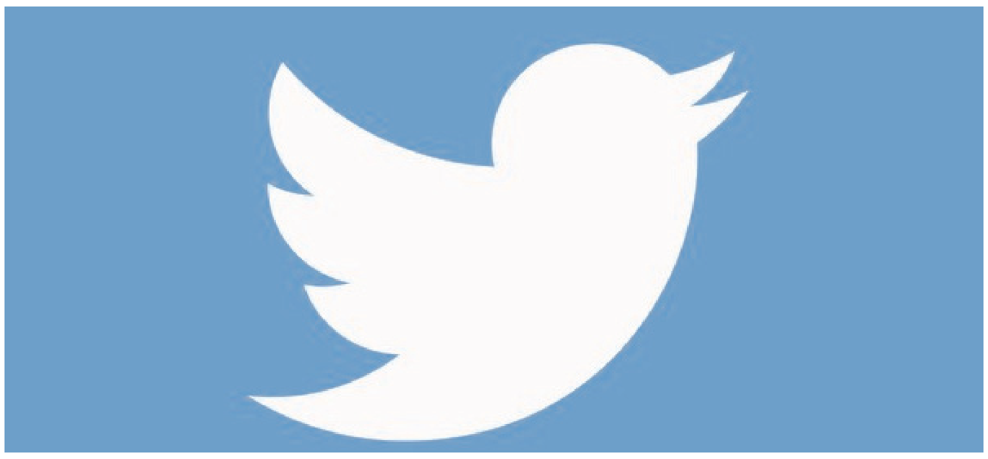

सियासत चलाने में लगी हैं ताकि उनको फायदा पहुँचाने वाले नेता सत्ता के करीब पहुँच जाएं। इसके पीछे भी अपने देश की ही कुछ सियासी शक्तियां और लिबरल गैंग के लोग काम कर रहे हैं। अमेरिकी कम्पनियां भी व्यापार करते-करते हम भारतीयों को बताने लगी हैं कि अभिव्यक्ति की आजादी क्या होती है। देश का संविधान हम नहीं, यह कम्पनियां तय करेंगी। किसकी पोस्ट हटाना-लगाना या सोशल मीडिया के एकांउट को सीज करना है और किसको आगे बढ़ाना है यह तय करने का अधिकार भी यह कम्पनियां अपने पास रखती हैं।

इनसे कोई सवाल नहीं पूछ सकता है। यह देश में आग लगाने वाली पोस्ट डालने वालों का नाम हमें-आपको तो क्या सरकार को भी नहीं बताएंगीं क्योंकि इनकी नजर में देश में आग लगाना भी अभिव्यक्ति की आजादी है। ऐसी देशद्रोही ताकतों को पकड़वाने में सरकार की मदद करने की बजाए यह उनके बारे में जानकारी छिपाने का भी काम करती हैं। जबकि देश तोड़ने की सोचने वालों के खिलाफ मुंह खोलने वालों को एकाउंट बंद कर देने की धमकी दी जाती है। सरकार पर दबाव बनाने के लिए देशद्रोही ताकतों से अपने पक्ष में बयान जारी कराए जाते हैं। ट्विटर और व्हाट्सएप अपनी मुहिम को ठीकठाक चलाते रहते यदि 2014 में मोदी की आंधी नहीं आई होती। मोदी के आने से इनकी उम्मीदों पर पानी फिरना शुरू हुआ तो इस सोशल मीडिया की कम्पनी ने साजिशें रचना शुरू कर दीं। ऐसे लोगों को बढ़ाया जाने लगा जो मोदी विरोधी बयान देते थे। मुसलमानों पर अत्याचार की फर्जी खबरें फैलाते हैं। कश्मीर से धारा 370 हटने का विरोध करते हैं। कोर्ट के आदेश की अवमानना करने वालों का साथ देते हैं। याद कीजिए वह दौर जब सर्जिकल स्ट्राइक के बाद भारत के रूख और चौतरफा कूटनीतिक दबाव के चलते पाकिस्तान ने अपने विंग कमांडर अभिनंदन को 56 घंटों में ही सही सलामत भारत को वापिस कर दिया था। लेकिन पाकिस्तान की प्रोपगैंडा मशीन ने इसे शांति के संदेश के तौर पर पेश करना शुरू किया। इसके बाद तो इंडिया में बैठे लिबरल ग्रुप ने तुरंत इसको इमरान खान का मास्टर-स्ट्रोक, इमरान खान द ग्रेट, इमरान फॉर पीस, गुडविल जेस्चर टाइप कैंपेन शुरू दिया। इमरान खान की शान में खूब कसीदे गढ़े गये। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने नेशनल एसेंबली में एक प्रस्ताव पेश कर दिया जिसमें कहा गया था कि भारतीय नेताओं द्वारा शुरू किये गये युद्धोन्माद के बाद भारत-पाकिस्तान के युद्ध को टालने के लिए इमरान खान ने एक संत की तरह रोल अदा किया है, जिसकी भारत में भी सराहना हो रही है। अतः इमरान खान को इसके चलते नोबेल पीस प्राइज दिया जा सकता है। इस मुहिम को चलाने में सोशल मीडिया ने बढ़-चढ़कर प्रचार-प्रसार का काम किया था।

ट्विटर हो या फिर व्हाट्सएप या अन्य कोई सोशल साइट। इसको हम-आप भले ही मैसेज और एक-दूसरे से जुड़ रहने का 'हथियार' मानते हों, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह साइट्स देश तोड़ने का साधन बन गया है। तमाम देश विरोधी प्रचार-प्रसार किया जाता है। सवाल बहुत साफ और महत्वपूर्ण है कि हमेशा देश की मुख्य विपक्षी पार्टी के नीति-निर्धारक भारत विरोधी और विदेशी लॉबी के पक्ष में खड़े हो जाते हैं। यह दृश्य हमने चीन के साथ टकराव में देखा, ये हमने पुलवामा में देखा, ये हमने सर्जिकल स्ट्राइक में देखा, ये राफेल की खरीद में देखा। अब तो देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस द्वारा देश को बदनाम करने के लिए टूलकिट का सहारा लिया जाने लगा है। इसी को लेकर जब मोदी सरकार ने ट्विटर और व्हाट्सएप जैसी सोशल साइटों पर शिकंजा कसा तो टूलकिट बनाने वाले का नाम बताने की बजाए यह कम्पनी सरकार को संविधान की याद दिलाने लगी।

वर्तमान में अर्थव्यवस्था और ईंधन संकट

रविश सक्सेना

महामारी की पहली लहर के दौरान वैश्विक बंदी के कारण जब सारी आर्थिक गतिविधियां बंद थीं, तब कच्चे तेल की कीमत भी एकदम नीचे आ गई थी। परिणामस्वरूप 2020 में कच्चा तेल 39.68 डॉलर प्रति बैरल था और बंदी की अवधि के दौरान तो यह 11 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया था। लेकिन तेल की कीमत में इस गिरावट का लाभ आम जनता को नहीं दिया गया।

आज के समय में अर्थव्यवस्था और ईंधन का संबंध कुछ उसी तरह है, जिस तरह मानव जीवन का संबंध आक्सीजन से है। भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है और दुनिया का तीसरा सर्वाधिक ईंधन खपत करने वाला देश भी। चूंकि भारत अपनी खपत का ज्यादातर हिस्सा आयात करता है, लिहाजा ईंधन की कीमत अर्थव्यवस्था को सीधे तौर पर प्रभावित करती हैं। ईंधन की कीमत बढ़ने से परिवहन और विनिर्माण लागत बढ़ती है और इसका नतीजा महंगाई के रूप में देखने को मिलता है। वाहनों की बिक्री घटती है तो अर्थव्यवस्था के दूसरे क्षेत्र भी प्रभावित होते हैं, क्योंकि वाहन उद्योग रोजगार मुहैया कराने वाला एक प्रमुख क्षेत्र है। इस स्थिति का बड़ा नुकसान आम जनता को भुगतना पड़ता है। पिछले महीने पांच राज्यों के

विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का सिलसिला फिर से शुरू हो गया। मई में ही अब तक दर्जन भर से अधिक बार पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ चुकी हैं और कई शहरों में पेट्रोल सौ रुपए के पार जा चुका है। फिलहाल इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि बताई जा रही है। बेशक, कच्चे तेल की कीमत में इस समय तेजी का रुख है, लेकिन जब कीमत बिल्कुल नीचे आ गई थीं, तब भी उसका लाभ आम उपभोक्ताओं को देने के बजाय सरकार ने उत्पाद शुल्क बढ़ा कर मुनाफा अपनी जेब में रख लिया था। अब कच्चे तेल की कीमत बढ़ने पर भी सरकार उत्पाद शुल्क घटाने को तैयार नहीं है। जबकि चालू वित वर्ष के शुरुआत में यदि सरकार उत्पाद शुल्क साढ़े आठ रुपए प्रति लीटर घटा देती, तो भी 2021-22 के तीन लाख बीस हजार करोड़ रुपए के बजट अनुमान का लक्ष्य पूरा हो जाता। उत्पाद शुल्क की मौजूदा दर से सरकार को चार लाख पैंतीस हजार करोड़ रुपए की कमाई हो सकती है। पेट्रोल और डीजल पर केंद्र के साथ ही राज्य सरकारें भी कर वसूलती हैं। मौजूदा समय में पेट्रोल की कुल कीमत का लगभग तिरसठ फीसद हिस्सा केंद्र और राज्य के कर का है। इसी तरह डीजल पर दोनों कर का हिस्सा कीमत का लगभग साठ फीसद है। महामारी के कारण लोगों की कमाई घट गई है।

बचपन के वो दिन...

कमलेश शर्मा

कवियों, लेखकों, गायकों, संगीतज्ञों, चित्रकारों आदि का हम सम्मान जरूर करते हैं, लेकिन उनके संघर्ष, उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति के किस्से सुन कर अपने बच्चों को उनसे दूर रखना चाहते हैं। उसे डॉक्टर, इंजीनियर, उच्च प्रशासनिक, पुलिस या सैन्य अधिकारी या किसी बड़ी कंपनी में बड़े ओहदे पर देखने की हमारी लालसा उसकी रुचियों का दमन कर देती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले मेरे पौत्र पर मेरी डांट का कोई असर नहीं होता। कभी डांटता भी हूं तो वह मुस्कराने लगता है। कोरोना के कहर के डर से सारे स्कूल बंद है। आस-पड़ोस के दोस्तों के साथ खेलने के लिए घर से बाहर निकलने पर पाबंदी है। घर में रहेगा तो अपने मन मुताबिक काम करेगा और डांट खाएगा। उसे डांटने के अवसर बराबर उपस्थित रहते हैं। उसकी दादी और मां भी इस अवसर का 'लाभ' उठाती रहती हैं! अपनी मां या पिता का मोबाइल लेकर गेम खेलने लगता है तो थोड़ी देर बाद ही उसे डांट पड़ जाती है। गुस्साया-सा वह टीवी चला कर अपनी पसंद का कार्यक्रम देखने लगता है। फिर डांट पड़ती है कि ज्यादा मत

देखा करोज आंखें खराब होती हैं। हमारे गुस्से या खीझ की वजह दूसरी होती है, लेकिन उसे हम बच्चों को डांट कर अक्सर उतारते हैं। कभी-कभी मैं भी अपने पौत्र को डांटता हूं, लेकिन वह गुस्सा नहीं होता। मुस्कुराते हुए कहता है- 'आपको तो डांटना ही नहीं आता दादाजी।' फिर वह बताता है कि जब दादी या मां डांटती हैं, तब उनकी तेज आवाज के साथ उनकी आंखें भी गुस्से में होती हैं। इसलिए मैं भी गुस्सा हो जाता हूं। जब आप डांटते हैं, तो आपकी आवाज जरूर तेज होती है, लेकिन आपकी आंखें मुस्कुराती रहती हैं।

विचारों की ताकत

कहते हैं कि विचार महान होता है। इसकी शक्ति मिसाइल और परमाणु बम से भी अधिक घातक होती है। विचार की धार तलवार से भी तेज और गहरी होती है। विचार एक अग्नि है, जो पानी में आग लगाने में सक्षम होता है। विचार ही तो वह ताकत है, जो चूहे को शेर बना सकता है। वही विचार एक कमजोरी भी है, जो व्यक्ति को उसके कृत्यों से गिराकर उसे आधारहीन कर देता है। 'एक विचार' व्यक्ति को घोड़े की सवारी करवा सकता है तो वहीं दूसरा विचार आदमी को गधे पर भी चढ़ा देता है। इसलिए विचार महान है, इसकी शक्ति महान है और यह अतुलनीय है। इसकी तुलना महर्षियों ने 'अमृत'-'विष' से भी की है। विचार की उत्तमता व्यक्ति को अमृतकलश प्रदान कर सकती है, जबकि विचार की गिरावट उसे विषैला, कसैला और घिनौना बना देता है। विचार व्यक्ति को जहां देश व धर्म के दुश्मनों का संहारक बना सकता है तो उसी विचार की मलीनता से व्यक्ति आत्महत्या करने पर भी मजबूर हो जाता है। आमतौर पर विचार के तीन रूप माने जाते हैं। ये विचार, कुविचार और सुविचार हैं। इन्हीं तीनों प्रकार के विचारों के फलस्वरूप ही व्यक्ति न्यूनता और महानता की कसौटी पर परखा जाता है। उच्चकोटि के विचारों वाले व्यक्ति को उच्च और निम्न को निम्न माना जाता है। व्यक्ति के विचार ही उसकी प्रकृति का आईना होते हैं। उसके विचारों से ही समाज में व्यक्ति की मान व मर्यादा का अनुमान लगाया जा सकता है।

'विचार': मन में जो भी क्रियाकलाप घटित व पैदा होते हैं, उन्हें विचारों का नाम दिया जाता है। साधारणतः विचार व्यक्ति की अपनी एक सीमा तक ही सीमित होते हैं। ऐसे भाव जिनके द्वारा अपनी शारीरिक जरूरतों को पूरा करने की योजना बनाई जाए, उन्हें विचार माना जाता है। जैसे भूख लगने पर खाने का विचार, प्यास लगने पर पानी पीने का विचार, गर्मी-सर्दी लगने पर उसके निवारण का विचार आता है। विचार केवल व्यक्ति को अपने बारे में ही सोचने पर केन्द्रित रखता है।

'कुविचार': यह ऐसा विचार है, जिससे व्यक्ति अपनी या दूसरों की हानि करने के बारे में सोचता है। कुविचार व्यक्ति को उसके धर्म व कर्म से विमुख कर देता है और संसार में निंदा का पात्र बनता है। महाभारत के युद्ध से पहले दोनों सेनाओं के मध्य खड़े अर्जुन के मन में एक विचार आया कि वह अपने भाइयों, मित्रों, भाई पुत्रों, पितामह, गुरु और नाते व रिश्तेदारों की हत्या से पाए गए राज का क्या उपभोग करेगा। इससे तो स्वयं प्राण त्याग देने में ही भलाई है। इन भावों से वह अपना गांडीव छोड़कर युद्ध के मैदान से हटने लगता है। इसे कहते हैं कुविचार। इस विचार के आगमन से वह अपने पथ से विमुख हो गया है।

'सुविचार': अर्जुन की यह दयनीय दशा देखकर अर्जुन के सखा व सारथी श्रीकृष्ण ने कहा कि हे पार्थ! तुम्हारे मन में ऐसे भीरू और कायरतापूर्ण विचार कैसे आए हैं। ये कुविचार तुम्हें तुम्हारे धर्म से विमुख कर दु:खों के गर्त में ले जाने वाले हैं। इसलिए धर्म के मार्ग से विमुख करने वाले इस कुविचार को तुम अपने मन से निकाल दो और युद्ध करने के लिए अपना गांडीव उठाओ। इसके परिणामस्वरूप अर्जुन ने गांडीव उठाकर कौरवों का विनाश कर डाला। इसे कहते हैं सुविचार, जिसने भटके हुए अर्जुन को धर्म के मार्ग पर चलाकर पृथ्वी का राज्य भोगने योग्य बना दिया। इसी प्रकार का एक सुविचार मात्र 100 रुपए की नौकरी करने वाले धीरूभाई अम्बानी के दिमाग में भी आया था। उसके एक विचार ने ही न केवल उसके जीवन-स्तर को बदल दिया, बल्कि उसे विश्व की नामी हस्तियों में शुमार करवाने में सफलता दिलाई। यह भी सुविचार ही है, जो उसको ऊपर उठाने वाला था। विचार की शक्ति को सब जानते हैं। जब विचार इतना ही शक्तिशाली है तो क्यों न फिर अपने विचारों को उत्तम बनाकर, अपना तथा अन्य लोगों के जीवन को ऊपर उठाने का प्रयत्न करें। क्यों न अपने विचारों को इतनी ऊंचाई प्रदान करें, जिससे हमारा अमृतमय जीवन पंख लगाकर उड़ने लगे, अन्यथा कुविचारों के प्रभाव से व्यक्ति का जीवन मृतमय बन कर विषरूपी दु:खों के सागर में गिरता जाएगा।

अपने घर में रहें पराए की तरह

आप हमेशा सोचते हैं कि हमारे आस-पास के लोग इतने अच्छे क्यों नहीं हैं कि सब कुछ बिना झंझट के संपन्न हो जाए। क्या आपने खुद के बारे में भी विचार किया है। ये एक तथ्य है कि व्यक्तित्व विकास की बड़ी पाठशाला उसका अपना घर ही हो सकता है। घर से संभलने की कवायद हो तो प्रकाश बाहर भी फैलना शुरू होता है। ऐसा तब होगा, जब आप अपने घर में पराए की तरह और पराए घर में अपने की तरह रहना शुरू कीजिएगा। अपने घर में रहिए पराए की तरह। थोड़ा अटपटा लग सकता है। मन में सबसे पहला जो सवाल उठेगा, वह यह कि क्या भई, अपने घर में पराए की तरह रहने की सलाह क्यों दी जा रही है? अब जरा मेरे साथ सोचिए। जब आप पराए घर में जाते हैं तो क्या

करते हैं? सोचिए। बिल्कुल सलीके से घुसते हैं। घुसते हैं कि नहीं? चप्पल खोलकर, पैरों को झाड़कर। संभलकर बैठते हैं और सतर्क व्यवहार करते हैं। करते हैं कि नहीं? उस घर के एक-एक सदस्य यहां तक कि बच्चों के साथ भी आपका व्यवहार सम्मानपूर्ण होता है। होता है कि नहीं? उस घर की किसी चीज को नुकसान पहुंचाने की तो आप सोचते ही नहीं। जरा सोचिए, उस घर की महिलाओं की आप कितनी इज्जत करते हैं? करते हैं कि नहीं? तो आपका यही आचरण आपके अपने घर में भी शुरू हो जाए तो क्या अच्छा नहीं रहेगा? क्या यह बिल्कुल चमत्कारिक प्रभाव उत्पन्न करने वाला नहीं होगा? मेरा मानना है कि होगा और जरूर होगा। बस, इस पर एक बार सोच-विचार कर अमल तो कीजिए। अब इसी मिजाज के दूसरे पहलू पर भी जरा गौर फरमाइए। जिस तरह आपने अपने घर में पराए की तरह रहना शुरू किया, ठीक उसी तरह पराए घर में यदि रहने की नौबत आए तो अपने की तरह रहने पर अमल कीजिए।

साहस जगाती है त्राटक क्रिया

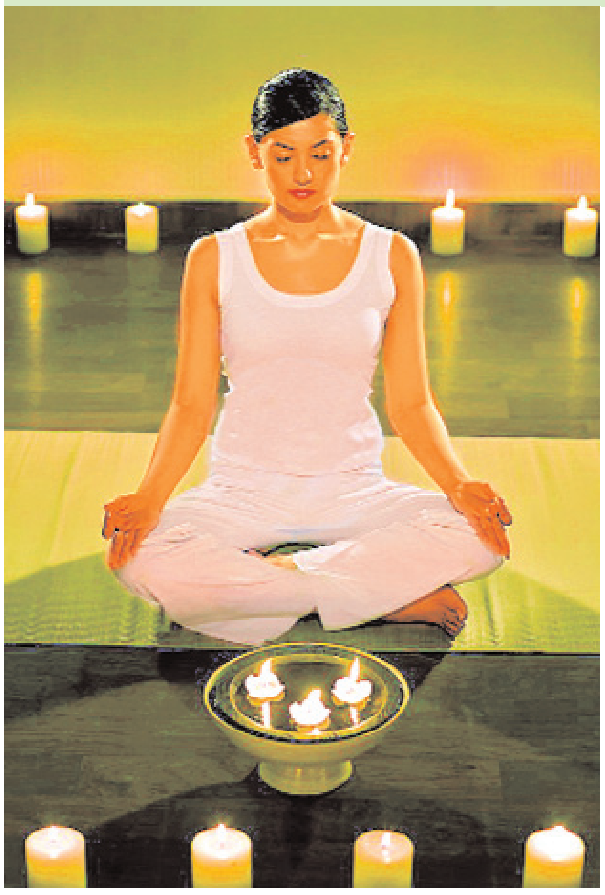

शरीर को स्वस्थ और शुद्ध करने के लिए छह क्रियाएं विशेष रूप से की जाती हैं। जिन्हें षट्कर्म कहा जाता है। क्रियाओं के अभ्यास से संपूर्ण शरीर शुद्ध हो जाता है। किसी भी प्रकार की गंदगी शरीर में स्थान नहीं बना पाती है। बुद्धि और शरीर में सदा स्फूर्ति बनी रहती है।

ये क्रियाएं हैं- 1. त्राटक 2. नेती. 3. कपालभाती 4. धौती 5. बस्ती और 6. नौली।

आइए जानते हैं त्राटक के बारे में

त्राटक क्रिया विधि- जितनी देर तक आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देख सकें देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर लें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे आप की एकाग्रता बढ़ेगी।

सावधानी- 'त्राटक' के अभ्यास से आंखों और मस्तिष्क में गरमी बढ़ती है, इसलिए इस अभ्यास के तुरंत बाद 'नेती क्रिया' का अभ्यास करना चाहिए। आंखों में किसी भी प्रकार की तकलीफ हो तो यह क्रिया ना करें। अधिक देर तक एक-सा करने पर आंखों से आंसू निकलने लगते हैं। ऐसा जब हो, तब आंखें झपकाकर अभ्यास छोड़ दें। यह क्रिया भी जानकार व्यक्ति से ही सीखना चाहिए, क्योंकि इसके द्वारा आत्मसम्मोहन घटित हो सकता है।

लाभ- आंखों के लिए तो त्राटक लाभदायक है ही, साथ ही यह आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है। स्थिर आंखें स्थिर चित्त का परिचायक हैं। इसका नियमित अभ्यास कर मानसिक शांति और निर्भीकता का आनंद लिया जा सकता है। इससे आंख के सभी रोग छूट जाते हैं। मन का विचलन खत्म हो जाता है। त्राटक के अभ्यास से अनेक प्रकार की सिद्धियां प्राप्त होती हैं। सम्मोहन और स्तंभन क्रिया में त्राटक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह स्मृतिदोष भी दूर करता है और इससे दूरदृष्टि बढ़ती है।

सफलता में बाधक बहाने

बहाने बहुत हैं बनाने के लिए। बहुतों का कार्य बहानों से ही चलता है। क्या आप भी बहाने बनाते हैं? यह जान लें बहाने सफल नहीं होने देते हैं। यह भी कोई बहाने हैं:

- अभी मेरा मन नहीं लग रहा है!
- मेरा मूड नहीं है!
- जब तक मैं मूड में नहीं होता कुछ नहीं कर सकता!
- यह काम करने योग्य नहीं है!
- यह तो मैं कर ही नहीं सकता!
- यह तो छोटा काम है, मैं तो बड़े काम करता हूं!
- आज तो शरीर ढीला है, कल कर लूंगा!
- जब अच्छा काम मिलेगा तभी करूंगा!
- आज मेरा पढ़ने का मन नहीं है!
- आज थका हुआ हूं, आराम कर लेता हूं, काम तो कल कर लूंगा!

कल कभी नहीं आता है। कवि कबीरदासजी ने ठीक कहा है- **काल करे सो आज कर, आज करे सो अब। पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।**

बहाने बनाने से सफलता हाथ नहीं आती है। आप किसी भी प्रकार का कार्य करते हों, यदि आप बहाने बनाएंगे या मूड की प्रतीक्षा करेंगे तो सफलता का हाथ से निकल जाना निश्चित है। यही टालमटोल की आदत से होता है, हाथ आया अवसर गवां बैठते हैं। संसार में जितने भी सफल लोग हुए हैं, उनकी उपलब्धियों को देखकर अचंभा होता है। लेकिन यदि आप इनकी दिनचर्या पर दृष्टि डालेंगे तो आप पाएंगे

कि चाहे कुछ भी हो, तूफान आए, बारिश हो, कड़ाके की धूप हो, तबीयत ठीक न हो, पर ये बिना बहाना या मूड की प्रतीक्षा किए काम में जुटे होंगे। सही रीति तो यही है कि बहाने की खोज किए बिना कमर कसकर काम में जुट जाइए। आपको सिर्फ यह ज्ञात होना चाहिए कि काम, काम और काम। निरन्तर कर्म कीजिए। बुद्धिमान या सफल व्यक्ति के समक्ष एक ही विराम होता है और वो है-चिरविराम!
अच्छे कार्य या मूड की प्रतीक्षा में बैठे रहना मूर्खता से बढ़कर कुछ नहीं है।पास आने वाले छोटे-छोटे कार्यों को हाथ में लेकर करने लग जाइए, इसके पीछे-पीछे बड़े काम स्वतः आ लगेंगे।
बहाने नहीं सिर्फ काम में संलग्न रहिए, सफलता तो आपके पीछे-पीछे आ लगेगी।

जरीन खान का खुलासा,

बोलीं- एक सीन की रिहर्सल के बहाने किस करने की कोशिश की गई थी

एक्ट्रेस जरीन खान बॉलीवुड में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं। वह हमेशा अपनी फिटनेस को लेकर चर्चा में रहती हैं। अक्सर जरीन को अपने बारे में खुलकर बोलते हुए देखा गया है। अब एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपने कास्टिंग काउच के एक्सपीरियंस का खुलासा किया है और बताया है कि एक सीन की रिहर्सल के बहाने किस करने की कोशिश की गई थी।

जरीन का खुलासा

जरीन ने बताया, मैं लोगों का नाम नहीं लेना चाहती हूं, लेकिन एक सीन का रिहर्सल करने के बहाने, दूसरे पर्सन ने कहा कि आपको अपनी झिझक को दूर करना होगा और मैं उस समय बहुत नई थी, इसलिए मुझे ये ठीक लगा। उसने कहा, क्या आप जानती हो कि हम एक किसिंग सीन करेंगे? मैंने कहा क्या? नहीं, मैं रिहर्सल के रूप में किसी भी तरह का किसिंग सीन नहीं कर रही हूं।

जरीन ने कहा मैं इस तरह काम नहीं करती हूं

जरीन ने आगे बताया, ये पर्सन मुझे बता रहा है कि आप जानती हो कि हम एक दोस्त से ज्यादा रह सकते हैं और मैं विशेष रूप से उन प्रोजेक्ट को देखूंगा जो आपको मिल रहे हैं। मैं तुम्हें सभी में लीड करूंगा। मैंने कहा, नहीं, मैं इस तरह काम नहीं करती हूं।

जरीन ने वीर से की थी अपने फिल्मी करियर की शुरूआत

जरीन ने 2010 में फिल्म वीर से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने फिल्म वीर में सलमान खान के अपोजिट काम किया था जो कि उस समय की सुपरहिट फिल्मों में से एक थी। बाद में, वे हेट स्टोरी 3, हाउसफुल 2, अक्सर 2 और वजाह तुम हो जैसी फिल्मों में नजर आईं। जरीन को आखिरी बार फिल्म हम भी अकेले, तुम भी अकेले में देखा गया था।

करण-निशा विवादः

करण मेहरा ने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होने के आरोपों को बताया निराधार

बोले-मैंने निशा को कभी भी धोखा नहीं दिया

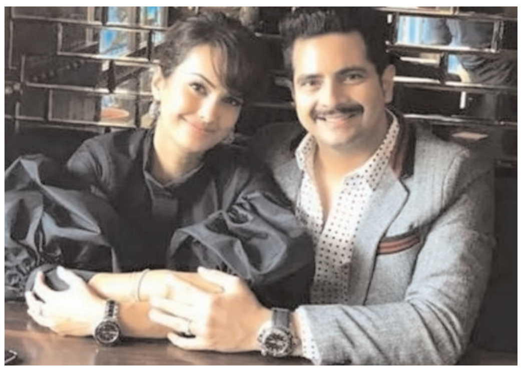

टीवी एक्ट्रेस निशा रावल ने पति करण मेहरा के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करने के बाद उन पर एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर और धोखा देने जैसे कई आरोप लगाए थे। अब निशा के इन आरोपों पर करण मेहरा का रिएक्शन सामने आया है। करण ने निशा द्वारा उन पर लगाए सभी आरोपों को निराधार और झूठा बताया। साथ ही करण ने यह भी कहा है कि उन्होंने निशा को कभी भी धोखा नहीं दिया।

निशा ने करण के खिलाफ किया था घरेलू हिंसा का केस

बता दें कि, करण मेहरा के खिलाफ 2 दिन पहले सोमवार को निशा ने घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया था। पत्नी की शिकायत के बाद करण को मुंबई पुलिस ने अरेस्ट किया था। हालांकि, पूछताछ के बाद करण को उसी दिन बेल पर रिहा भी कर दिया गया था।

मेरा कोई एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर नहीं है

एक न्यूज वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में करण ने निशा द्वारा लगाए सभी आरोपों को खारिज कर दिया। करण ने कहा, मुझे पता था कि मुझपर यह सभी आरोप लगाए जाएंगे और मेरा नाम कई लोगों के साथ जोड़ा जाएगा। ये सभी कहानियां निराधार हैं। मैंने निशा को कभी भी धोखा नहीं दिया है और मेरा कोई एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर नहीं है। इससे पहले एक इंटरव्यू में निशा ने बताया था कि करण का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर चल रहा था। जिसके बारे में उन्हें कुछ महीने पहले ही पता चला था। निशा ने कहा कि उनके मैसेज देखने के बाद उन्होंने करण से इस बारे में बात भी की थी।

शादी पर तुषार कपूर का प्लानः एक्टर नहीं करेंगे कभी शादी,

बोले- मैं अभी या फ्यूचर में दुनिया में किसी के साथ खुद को शेयर नहीं करूंगा

एक्टर तुषार कपूर अपने बेटे लक्ष्य के सिंगल फादर हैं। उन्होंने 2016 में सरोगेसी के जरिए पिता बनने का ऑप्शन चुना था। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान तुषार ने कहा कि फ्यूचर में शादी करने की कोई प्लानिंग नहीं है और मैं खुद को किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहता हूं। तुषार ने कहा, नहीं, क्योंकि अगर मुझे इसके बारे में कोई डाउट होता तो मैं सिंगल पैरेंट बनने के प्रोसेस से नहीं गुजरता। मैंने इसे एक समय और एज में किया जब मैं इसके लिए और जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि मैं सही कदम उठा रहा हूं। मैं कोई और ऑप्शन नहीं चुन सकता था। मैं अभी या फ्यूचर में दुनिया में किसी के साथ खुद को शेयर नहीं करूंगा। तो बस अगर एंड सही है तो सब सही है। तुषार बॉलीवुड के मशहूर स्टार जितेन्द्र के बेटे और भारतीय टीवी और सिनेमा इंडस्ट्री की प्रोड्यूसर एकता कपूर के भाई हैं।

साजिद नाडियाडवाला ने आयोजित किया कोरोना वायरस रोधी टीकाकरण अभियान

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने अपने प्रोडक्शन हाउस में काम करने वाले 500 से अधिक कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए हाल ही में कोविड-19 टीकाकरण अभियान का आयोजन किया। साजिद के प्रवक्ता ने मंगलवार को इस बात की जानकारी दी। यह टीकाकरण अभियान सोमवार को आयोजित किया गया। साजिद की आगामी फिल्मों में टाइगर श्रॉफ की 'हीरोपंती 2', अक्षय कुमार अभिनीत 'बच्चन पांडे', सलमान खान की प्रमुख भूमिका वाली'कभी ईद कभी दीवाली' और आहान शेट्टी तथा तारा सुतारिया की मुख्य भूमिका वाली 'तड़प' शामिल हैं। इन सभी फिल्मों के निर्माण से जुड़े कर्मचारियों ने टीकाकरण अभियान में कोविड रोधी टीके की खुराक लीं। साजिद के प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन इंटरटेनमेंट की ओर से आने वाले दिनों में दूसरा टीकाकरण अभियान का भी आयोजन किया जाएगा। इससे पहले सोमवार को प्रोड?यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने अपने सभी सदस्यों के लिए मंगलवार से टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। कोविड-19 महामारी की दूसरी भयावह लहर के बीच संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में सभी प्रकार की शूटिंग पर रोक लगा दी है। कुछ टेलीविजन शो की शूटिंग महाराष्ट्र से बाहर हो रही है।

प्रिंस विलियम और हैरी ने डायना के साक्षात्कार को लेकर बीबीसी की निंदा की

लंदन। प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी ने बीबीसी द्वारा 25 साल पहले उनकी मां के लिए साक्षात्कार में दिखाई गई 'चालाकी' की निंदा की है। डायना ने उस साक्षात्कार में अपने पति और प्रिंस विलियम एवं हैरी के पिताप्रिंस चार्ल्स के साथ रिश्तों में तनाव के बारे में बात की थी। निष्पक्ष जांच ने पाया है कि बीबीसी ने 1995 के विवादित साक्षात्कार मेंअपनी पहचान के अनुरूप उच्च मानकों और पारदर्शिता का पालन नहीं किया। इसके बाद अलग-अलग बयान जारी कर प्रिंस विलियम और प्रिंस हैरी ने आरोप लगाया कि वह साक्षात्कार उनके 'भय और संविभ्रम' के लिए था जिसेसे उनके अभिभावकों के रिश्तों में खटास आया। दुलर्भ हस्तक्षेप करते हुए विलियम ने कहा कि उनकी मां न केवल 'शरारती संवाददाता' बल्कि बीबीसी के शीर्ष अधिकारियों को लेकर असफल हुई जिन्होंने सख्त सवाल पूछ्ले के बजाय दूसरे पक्ष पर अधिक गौर किया। वीडियो संदेश में कहा गया, ''जांच के नतीजे चिंताजनक है।

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन खान और दिव्येंदु शर्मा ने कोरोना वायरस का टीका लगवाया

मुंबई। बॉलीवुड सेलिब्रिटी सुजैन खान, अभिनेता दिव्येंदु शर्मा और अभिनेत्री श्रुति सेठ ने मंगलवार को कोविड-19 का टीका लगवाया। खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कोविड-19 टीके की दूसरी खुराक ले रही हैं। खान के अलावा उनकी टीम के सदस्यों ने भी टीके की खुराक ली। वहीं, वेब सीरीज 'मिर्जापुर' के सितारे दिव्येंदु शर्मा ने इंस्टाग्राम पर टीका लगवाने की सूचना साझा की और लोगों से जल्द से जल्द टीकाकरण कराने की अपील की। अभिनेत्री श्रुति सेठ ने कोविड-19 टीका का लगवाने की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की और कहा कि टीका लगने के बाद उन्हें बांह में दर्द महसूस हो रहा है।

एनसीएलटी ने देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन का निर्देश दिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के आवेदन को स्वीकार करते हुए देवास मल्टीमीडिया की परिसमान प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने कहा कि देवास मल्टीमीडिया का गठन एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के तत्कालीन अधिकारियों के साथ साठगांठ कर फर्जीवाड़ा करने के उद्देश्य से किया गया। इसका मकसद 2005 में समझौते के जरिए कंपनी से बैंडविद्थ हासिल करना था जिसे बाद में सरकार ने रद्द कर दिया। न्यायाधिकरण ने 19 जनवरी को अस्थायी तौर पर नियुक्त किए गए परिसमापक की भी पुष्टि की और उन्हें कंपनी की धोखाधड़ी गतिविधियों और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने से रोकने के लिए उसके परिसमापन के लिये तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायाधिकरण ने कहा, ''एंट्रिक्स के तत्कालीन अधिकारियों के साथ मिलीभगत और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने, भारत में पैसा लाने और इसे संदिग्ध तरीकों से विदेशों में हस्तांतरित करने के लिए देवास का गठन गलत तथा गैरकानूनी उद्देश्य के साथ किया गया था। एनसीएलटी ने कहा कि भारत सरकार ने संप्रभु शक्तियों का उपयोग कर नीतियों में बदलाव किया। इसमें सवालों के घेरे में आये समझौते को रद्द करना शामिल है। न्यायाधिकरण के सदस्य आर राव विट्ठानाला और आशुतोष चंद्रा की पीठ ने 25 मई को अपने आदेश में कहा, ''मामले में उक्त तथ्यों तथा परिस्थितियों पर विचार करने के बाद न्यायाधिकरण को मिले अधिकार का उपयोग करते हुए देवास मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के परिसमान का आदेश देकर कंपनी की याचिका स्वीकार की जाती है। पीठ ने परिसमापक को सात जुलाई को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

ढाई लाख मजूदरों और 45 हजार कर्मचारियों के लिए क्वारंटाइन केंद्र तैयार किए

नई दिल्ली। निर्माण समूह लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) ने रविवार को कहा कि उसने कोविड-19 के प्रकोप के बीच अपने ढाई लाख अनुबंधित मजदूरों और 45 हजार कर्मचारियों के लिए क्वारंटाइन केंद्रों की स्थापना की है। एलएंडटी ने कहा कि उसने पूर्वी से दक्षिणी भारत में कई जगहों पर क्वारंटाइन केंद्र स्थापित किए है। जबकि संक्रमित कर्मचारियों को चिकित्सीय देखभाल प्रदान करने के लिए 144 अस्पतालों के साथ समझौता भी किया गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि एलएंडटी ने अपनी कई निर्माण सुविधाओं को क्वारंटाइन केंद्रों में बदल दिया है ताकि अनुबंधित मजदूरों और कर्मचारियों को सुरक्षित, जरुरी उपकरणों से लैस और स्वच्छ माहौल प्रदान किया जा सके। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रमन्यन ने कहा, ''इस कदम का उद्देश्य कोरोना संक्रमित कर्मचारियों को अच्छी तरह से तैयार क्वारंटाइन केंद्रों पर सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना है। जिसमें चिकित्सा आपूर्ति, स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन और नर्सिंग कर्मियों की भी सुविधा है। कंपनी ने देशभर में कोलकाता, ओडिशा, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और मुंबई समेत तीस शहरों में 144 अस्पतालों के साथ साझेदारी की है ताकि कर्मचारियों और अनुबंधित मजदूरों को सुविधाएं मिल सके।

एफपीआई ने मई में निकाले 988 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। विदेशी पोटर्फोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में अब तक भारतीय पूंजी बाजार से 12.39 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने मई के पहले चार सप्ताह में घरेलू पूंजी बाजार में 1,87,589.29 करोड़ रुपए लगाए जबकि इसी दौरान 1,88,577.50 करोड़ रुपए निकाले भी। इस प्रकार उन्होंने 988.21 करोड़ रुपए यानी 12.30 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है। एफपीआई ने शुद्ध रूप से 44.68 करोड़ डॉलर के शेयर और 4.94 करोड़ डॉलर के डेट बेचे। वहीं, अन्य माध्यमों जैसे डेट-वीआरआर और हाइब्रिड में उन्होंने शुद्ध रूप से पूंजी लगाई। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई ने बाजार से पूंजी निकाली है। अप्रैल में उन्होंने शुद्ध रूप से 118.56 करोड़ डॉलर (करीब 8,836) करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की थी।

लग्जरी सामान बनाने वाले बर्नार्ड अरनॉल्ट बने दुनिया सबसे अमीर बिजनेसमैन

मुंबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स की तगमा जेफ बेजोस से छिन गया है। अब फ्रांस के बिजनेसमैन बर्नार्ड अरनॉल्ट के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक 30 मई को बर्नार्ड के पास 192.2 अरब डॉलर की संपत्ति है। वहीं, ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के ओनर जेफ बेजोस का टोटल नेटवर्थ 487 अरब डॉलर है। बर्नार्ड अरनॉल्ट लग्जरी सामान बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी एलवीएमएच के चेयरमैन हैं।

साथ ही उनके पास लुई विट्टन और सैफोरा जैसे 70 ब्रांड और भी हैं। बिलियनेयर्स इंडेक्स में सबसे अमीरों की लिस्ट में बर्नार्ड और जेफ बेजोस के बाद टेस्ला के ष्ट्श्वह्र एलन मस्क और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स का नंबर आता है। जो समय-समय पर नंबर वन के पायदान पर काबिज रह चुके हैं। बिजनेसमैन की नेटवर्थ में बढ़त की सबसे बड़ी वजह कंपनी के शेयरों में उछाल होती है। क्योंकि कंपनी में उनकी बड़ी हिस्सेदारी होती है। ऐसे में जब शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों की वैल्यू बढ़ती है तो इसके साथ ही नेटवर्थ भी तेजी से बढ़ती है। अब अगर एलवीएमएच के शेयरों को देखें तो एक शेयर की वैल्यू मार्च 2020 में 340 यूरो के आसपास थी, जो मई 2021 में 648 यूरो के आसपास पहुंच गई है। यानी एक साल में की पीरियड में शेयर की कीमत 90 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी। शेयरों में उछाल का फायदा यह हुआ कि अप्रैल 2020 में

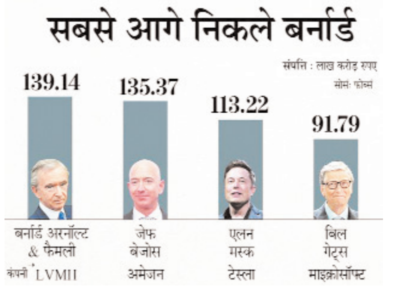

उनकी नेटवर्थ जो 76 अरब डॉलर थी वह अब बढ़कर 192 अरब डॉलर हो चुकी है। यानी 13 महीने में नेटवर्थ 150 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा। खास बात यह है कि बर्नार्ड की कुल संपत्ति भारत के 7 प्रमुख राज्यों की जीडीपी से ज्यादा है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक और गुजरात शामिल हैं। जिनकी कुल जीडीपी 135.18 लाख करोड़ रुपए है, जो बर्नार्ड की कुल नेटवर्थ 139.14 लाख करोड़ रुपए से कम है। फ्रांस के बिजनेसमैन को देश निकाला भी दिया गया था। यह घटना 1981 की है जब सत्ता में फ्रेंच सोशलिस्ट पार्टी आई। ऐसे में बर्नार्ड ने देश से बाहर अमेरिका में समय बिताया और ठीक 3 साल बाद जब हालात सही हुए तो अपने देश लौटे।

कई कारोबार में हाथ आजमाया और लग्जरी गुड्स ने दिलाई अपार सफलताः बर्नार्ड अरनॉल्ट ग्रेजुएशन के बाद 1971 में अपने पिता की सिविल इंजीनियरिंग कंपनी का कामकाज देखने लगे। जिसे 1976 में उन्होंने एक रियल एस्टेट कंपनी में बदल दिया। लेकिन अमेरिका से वापसी के बाद बर्नार्ड ने 1984 में बर्नार्ड ने कीमती सामान और कपड़े के कारोबार में हाथ आजमाया और लग्जरी गुड्स बनाने वाली फ्रेंच कंपनी फायनेंसियरे अगाचे और बोसेक सेंट फरेरेस का अधिग्रहण किया।

बिक्री बढ़ाने डिजिटल तरीका अपना रही हैं वाहन कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस महामारी के बीच देश की प्रमुख वाहन कंपनियां बिक्री बढ़ाने के काम में डिजिटलीकरण का सहारा ले रही हैं। उन्होंने ये कदम ऐसे समय उठाए हैं जब वाहन खरीदने को इच्छुक ग्राहक शोरूम जाने से झिझक रहे हैं। महामारी के साथ लॉकडाउन और कर्फ्यू अब एक नया चलन बन गया है। इस बात को समझते हुए मारुति सुजुकी, हुंदै, होंडा, किया, टोयोटा, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मर्सिडीज बेंज जैसी कार बनाने वाली कंपनियों ने नये उत्साह के साथ बिक्री को लेकर डिजिटलीकरण को अपनाया है। मारुति सुजुकी इंडिया के कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा, ''आगे का रास्ता डिजिटलीकरण ही है। इस अभूतपूर्व समय को देखते हुए, हमने अपनी बिक्री के लिये डीलरशिप स्तर पर मिला जुला 'फिजिटल रुख को अपनाया है। कार खरीद से संबद्ध 26 चीजों में से 24 को डिजिटल रूप दिया है। इसमें सिर्फ टेस्ट ड्राइव और डिलिवरी शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि कुल पूछताछ में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी डिजिटल की है। श्रीवास्तव के अनुसार कंपनी के कार खरीद प्रक्रिया में

मदद के लिये पूछताछ से लेकर बुकिंग तक देश भर में 1,000 से अधिक डिजिटल टच-प्वाइंट हैं। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी ने डीलरशिप के स्तर पर डिजिटल विशेषज्ञता लाने के मकसद से गूगल और फेसबुक जैसी प्रमुख ऑनलाइन मंचों के साथ भागीदारी की है। महिंद्र एंड महिंद्रा के सीईओ (वाहन इकाई) विजय नाकरा ने कहा कि कंपनी मासिक आधार पर डिजिटल मंच के जरिए उल्लेखनीय वृद्धि देख रही है। उन्होंने कहा, ''अभी आज जहां हम हैं, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि पूरी उपभोक्ता से जुड़ी चीजें महत्वपूर्ण रूप से डिजिटल दुनिया में स्थानांतरित होने वाली है। डीलरशिप एक अभिन्न भूमिका निभाते रहेंगे, लेकिन वे जिस तरह की भूमिका निभाएंगे, वह बदल जाएगी। टाटा मोटर्स (यात्री वाहन व्यापार इकाई) के विपणन प्रमुख विवेक श्रीवास्तव ने कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर ने ग्राहकों के खरीद और बिक्री प्रतिरूप में काफी बदलाव लाया है। उन्होंने कहा, ''हमने, टाटा मोटर्स में, पिछले साल के राष्ट्रीय लॉकडाउन के बाद से कई डिजिटल पहल की शुरुआत की है। हमने संपर्क रहित बिक्री को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए अपना ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म 'क्लिक टू ड्राइव पेश किया। हमें पिछले साल इसको लेकर अच्छी प्रतिक्रिया देखने को मिली मिली। इसमें खासकर लॉकडाउन के दौरान लोगों ने रूचि दिखायी और खरीदारी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि फिलहाल 40 प्रतिशत ग्राहक कंपनी के पास डिजिटल माध्यम से आ रहे हैं। यह पिछले साल काफी अधिक है। दक्षिण कोरिया की किआ और हुंदै ने भी मौजूदा हालात को देखते हुए डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया है।

एनसीएलटी ने देवास मल्टीमीडिया के परिसमापन का निर्देश दिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की वाणिज्यिक इकाई एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के आवेदन को स्वीकार करते हुए देवास मल्टीमीडिया की परिसमान प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने कहा कि देवास मल्टीमीडिया का गठन एंट्रिक्स कॉरपोरेशन के तत्कालीन अधिकारियों के साथ साठगांठ कर फर्जीवाड़ा करने के उद्देश्य से किया गया। इसका मकसद 2005 में समझौते के जरिए कंपनी से बैंडविद्थ हासिल करना था जिसे बाद में सरकार ने रद्द कर दिया। न्यायाधिकरण ने 19 जनवरी को अस्थायी तौर पर नियुक्त किए गए परिसमापक की भी पुष्टि की और उन्हें कंपनी की धोखाधड़ी गतिविधियों और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने से रोकने के लिए उसके परिसमापन के लिये तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायाधिकरण ने कहा, ''एंट्रिक्स के तत्कालीन अधिकारियों के साथ मिलीभगत और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने, भारत में पैसा लाने और इसे संदिग्ध तरीकों से विदेशों में हस्तांतरित करने के लिए देवास का गठन गलत तथा गैरकानूनी उद्देश्य के साथ किया गया था। एनसीएलटी ने कहा कि भारत सरकार ने संप्रभु शक्तियों का उपयोग कर नीतियों में बदलाव किया। समझौते को रद्द करना शामिल है। न्यायाधिकरण के सदस्य आर राव विट्ठानाला और आशुतोष चंद्रा की पीठ ने 25 मई को अपने आदेश में कहा, ''मामले में उक्त तथ्यों तथा परिस्थितियों पर विचार करने के बाद न्यायाधिकरण को मिले अधिकार का उपयोग करते हुए देवास मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के परिसमान का आदेश देकर कंपनी की याचिका स्वीकार की जाती है। पीठ ने परिसमापक को सात जुलाई को रिपोर्ट देने का निर्देश दिया।

पीपीएफ अकाउंट हो गया है मैच्योर तो बिना पैसे जमा करे भी उसे बढ़ा सकते हैं आग

नई दिल्ली। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड हमारे देश में एक लोकप्रिय स्कीम है। इस स्कीम के तहत फिलहाल 7.1 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। पीपीएफ खाते का मैच्योरिटी पीरियड 15 साल है। पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने पर आपके पास 3 ऑप्शन होते हैं। आप आपे हिसाब से इनमें से किसी को भी चुन सकते हैं। आज हम आपको इनके बारे में बता रहे हैं।

पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने पर अकाउंट बंद कर पूरा पैसा निकाल सकते हैं। पूरी राशि को अपने बचत खाते में ट्रांसफर करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस (जहां आपका पीपीएफ अकाउंट है) में फॉर्म जमा करना होगा। अगर पैसे की जरूरत तुरंत नहीं है तो मैच्योरिटी के बाद आप अपना अकाउंट 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट बढ़ाने के लिए आपको साल भर के भीतर फॉर्म जमा करना होगा। इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही बढ़ाना होगा। इन 5 सालों के दौरान जरूरत पड़ने पर आप पैसा निकाल भी सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट मैच्योर होने के बाद भी एक्टिव रहता है। अगर आप ऊपर वाले दोनों ऑप्शन नहीं चुनते हैं तो अपने आप आपकी पीपीएफ मैच्योरिटी तारीख 5 सालों के लिए बढ़ जाती है। इसमें किसी पेपरवर्क की आवश्यकता नहीं होती है।

अंतरराष्ट्रीय लेवल पर बिके मोबाइल

नई दिल्ली। एक नई रिपोर्ट के अनुसार स्मार्टफोन का शिपमेंट अंतरराष्ट्रीय लेवल पर बड़ा है और इसके 2021 में 1.38 बिलियन(138 करोड़) यूनिट तक पहुंचने का अनुमान है। जो कि 2020 की तुलना में 7.7 प्रतिशत अधिक है और 2015 में सबसे ज्यादा है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन के वर्ल्डवाइड क्वार्टरली मोबाइल फोन ट्रैकर के अनुसार, यही ट्रेंड 2022 तक जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें साल दर साल 3.8 प्रतिशत की ग्रोथ होगी और शिपमेंट 1.43 बिलियन (143 करोड़) तक पहुंच जाएगा। आइडीसी के वर्ल्डवाइड मोबाइल डिवाइस ट्रैकर्स के प्रोग्राम के वाइस प्रेसिडेंट रयान रीथ का कहना है कि इस समय कस्टमर पीसी, टेबलेट, टीवी और स्मार्ट होम डिवाइसेस में ज्यादा पैसे खर्च कर रहे हैं। इसके बावजूद स्मार्टफोन का मार्केट स्लो नहीं हुआ है। 2021 में 5त्न के लगभग 130 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद थी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)